मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, मंगलवार, 28 अप्रैल 2026

संवत 2083, वैशाख शुक्ल 12 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 223, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ कौन कर रहा है अमेरिकी वैज्ञानिकों का पीछा?

संजय फिर से साबित कर देंगे 6

झारखंड में बदला मौसम का मिजाज

आज कई जिलों में बारिश और आंधी का अलर्ट, अगले 5 दिन राहत के आसार

संवाददाता

रांची: झारखंड में मौसम ने करवट ले ली है। मौसम केंद्र, रांची के ताजा पूवार्नुमान के अनुसार आज यानी 28 अप्रैल को राज्य के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश, गरज-चमक और तेज हवा चलने की संभावना है। सुबह होते ही रांची में इसका असर देखने को मिला। गर्जन के साथ आसमान में बादल छाने लगे। तेज हवा चलने लगी और सुबह करीब 7 बजे से 8 बजे के बीच रांची के कई इलाकों में मध्यम दर्जे की बारिश हुई। इससे लोगों को गर्मी से काफी राहत मिली है।

इन जिलों में बदला मौसम का मिजाज : रांची, बोकारो, गुमला, हजारीबाग, खूंटी, रामगढ़, लोहरदगा, कोडरमा और धनबाद सहित मध्य झारखंड के जिलों में आज मौसम बदला हुआ रहेगा। वहीं, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला-खरसावां जैसे दक्षिणी इलाकों में भी बारिश के आसार हैं। उत्तर-पश्चिमी झारखंड के पलामू, गढ़वा, चतरा और लातेहार में भी बादल छाए रहने और बारिश की संभावना जताई गई है। इसके अलावा देवघर, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़ और साहिबगंज जैसे उत्तर-पूर्वी जिलों में भी मौसम का असर देखने को मिलेगा।

मौसम केंद्र ने जारी किया येलो अलर्ट : मौसम केंद्र, रांची ने येलो अलर्ट जारी करते हुए चेतावनी दी है कि कुछ स्थानों पर 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चल सकती है। जबकि अन्य इलाकों में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। इसके साथ ही वज्रपात का भी खतरा बना हुआ है, जिसे लेकर लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

आने वाले कुछ दिनों तक राहत के आसार : आने वाले दिनों की बात करें तो 29 अप्रैल से 1 मई तक राज्य में आंशिक बादल छाए रहेंगे और कई जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश होती रहेगी। 2 और 3 मई को भी राज्य के अलग-अलग हिस्सों में गरज-चमक के साथ बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है। मौसम में इस बदलाव का असर तापमान पर भी पड़ेगा। अगले पांच दिनों में अधिकतम तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की जा सकती है, जिससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है।

दाऊद इब्राहिम के सहयोगी सलीम डोला को तुर्की से लाया गया भारत, एजेंसियों ने शुरू की पूछताछ

नई दिल्ली । सीमा पार से सक्रिय मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले नेटवर्क पर लगाम लगाने के क्रम में भारतीय कानून प्रवर्तन और खुफिया एजेंसियों को एक बड़ी सफलता मिली है। फरार गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम का करीबी सहयोगी और अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट का अहम सदस्य सलीम डोला मंगलवार को तुर्की से प्रत्यर्पित कर भारत लाया गया। सूत्रों के अनुसार, भारतीय खुफिया एजेंसियों और उनके अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों के समन्वित अभियान के बाद डोला को विशेष विमान से तड़के दिल्ली हवाई अड्डे पर लाया गया। अधिकारियों ने पुष्टि की कि यह प्रत्यर्पण विभिन्न अधिकार क्षेत्रों में कई एजेंसियों के निरंतर प्रयासों और घनिष्ठ सहयोग के बाद अंजाम दिया गया। सूत्रों के अनुसार, डोला से फिलहाल दिल्ली में खुफिया एजेंसियां पूछताछ कर रही हैं और बाद में उसे आगे की जांच के लिए मुंबई स्थित नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) को सौंप दिया जाएगा। उससे बड़े पैमाने पर मादक पदार्थों की तस्करी और अंतरराष्ट्रीय तस्करी से जुड़े कई मामलों के संबंध में पूछताछ की जाएगी।

डोला को हाल ही में तुर्की के इस्तांबुल में स्थानीय कानून प्रवर्तन और खुफिया इकाइयों के संयुक्त अभियान में गिरफ्तार किया गया था। उनकी गिरफ्तारी केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के अनुरोध पर जारी इंटरपोल रेड कॉर्नर नोटिस के आधार पर हुई थी। भारतीय अधिकारी, विशेष रूप से मुंबई पुलिस, कई वर्षों से मादक पदार्थों से संबंधित विभिन्न मामलों में उनकी हिरासत की मांग कर रहे थे।

सलीम डोला का प्रत्यर्पण भारतीय एजेंसियों द्वारा इस नेटवर्क के खिलाफ की गई कई महत्वपूर्ण कार्रवाइयों के बाद हुआ है। जून 2025 में उनके बेटे ताहिर डोला को संयुक्त अरब अमीरात से प्रत्यर्पित किया गया था। कुछ महीनों बाद, एक अन्य प्रमुख सहयोगीसलीम मोहम्मद सोहेल शेख को दुबई से प्रत्यर्पित किया गया और मुंबई एंटी-नारकोटिक्स सेल द्वारा गिरफ्तार किया गया।

ये घटनाक्रम व्यापक आपराधिक गतिविधियों में शामिल इस नेटवर्क पर कड़ी कार्रवाई का संकेत देते हैं, जिनमें मादक पदार्थों का निर्माण, तस्करी और अन्य अवैध गतिविधियां शामिल हैं।

अधिकारियों का अनुमान है कि डोला लगभग 5,000 करोड़ रुपए के ड्रग साम्राज्य का संचालन करता था, जिससे वह इस सिंडिकेट के सबसे महत्वपूर्ण खिलाड़ियों में से एक बन गया था। उसकी गिरफ्तारी को दाऊद इब्राहिम नेटवर्क के लिए ही नहीं, बल्कि उसके कथित वित्तीय चैनलों के लिए भी एक बड़ा झटका माना जा रहा है।

जांचकताओं का मानना है कि नशीले पदार्थों की तस्करी से प्राप्त धन का उपयोग भारत के सुरक्षा हितों के लिए हानिकारक गतिविधियों को वित्त पोषित करने के लिए किया गया था।

सुरक्षा विशेषज्ञों ने इस बात पर जोर दिया है कि नशीले पदार्थों के नेटवर्क को नष्ट करना आतंकवाद विरोधी प्रयासों का एक महत्वपूर्ण पहलू है, क्योंकि ऐसे गिरोह अक्सर चरमपंथी गतिविधियों के लिए वित्तीय आधार का काम करते हैं। डोला, उसके बेटे और उनके करीबी सहयोगियों की गिरफ्तारी से संकेत मिलता है कि गिरोह की गतिविधियां धीरे-धीरे कमजोर हो रही हैं।

जांच से पता चला है कि यह नेटवर्क कई देशों में फैले एक अंतरराष्ट्रीय कृत्रिम मादक पदार्थों की तस्करी प्रणाली का संचालन करता था। आरोप है कि इसने अवैध पदार्थों के उत्पादन और वितरण के लिए भारत के विभिन्न हिस्सों में प्रयोगशालाएं और विनिर्माण इकाइयां स्थापित की थीं।

सलीम डोला का जन्म 1966 में मुंबई में हुआ था और वह बहुत कम उम्र में ही अंडरवर्ल्ड के करीब आ गया था। उसने दाऊद के खास आदमी छोटा शकील के साथ मिलकर काम किया।

रूस ने फिर निभाई दोस्ती, भारत को चौथा एस-400 सिस्टम भेजा

मोदी सरकार ने दी 5 और की मंजूरी

नई दिल्ली : 'ऑपरेशन सिंदूर' की पहली वर्षगांठ से ठीक पहले भारत की हवाई सुरक्षा से जुड़ी एक अहम खबर सामने आई है। रूस से बहुप्रतीक्षित चौथा एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम भारत के लिए रवाना कर दिया गया है। इसके मई के मध्य तक भारतीय बंदरगाह पर पहुंचने की उम्मीद है। वहीं, 'ऑपरेशन सिंदूर' में अपने शानदार प्रदर्शन का लोहा मनवाने वाले पांचवें एस-400 सिस्टम के इस साल नवंबर में भारत आने की संभावना है।

चौथे सिस्टम की राजस्थान में तैनाती : विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, भारतीय वायुसेना (क्अत्र्) के अधिकारियों ने 18 अप्रैल को ही भारत आने वाले इस चौथे सिस्टम का प्री-डिस्पैच निरीक्षण पूरा कर लिया था, जिसके बाद पिछले सप्ताह इसे रूस से भारत के लिए शिप कर दिया गया। पाकिस्तान के खिलाफ मिसाइल रक्षा ग्रिड को और अभेद्य बनाने के लिए इस नए सिस्टम को राजस्थान सेक्टर में तैनात किए जाने की उम्मीद है।

ऑपरेशन सिंदूर' में पाकिस्तान पर दिखा एस-400 का खौफ : 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान रूसी एस-400 प्रणाली ने अपनी मारक क्षमता का जबरदस्त प्रदर्शन किया था। इस ऑपरेशन के दौरान भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ 11 लंबी दूरी की एस-400 मिसाइलें दागीं। इन मिसाइलों ने दुश्मन देश के लड़ाकू विमानों, एयरबॉर्न अर्ली वार्निंग सिस्टम और परिवहन विमानों को सटीक निशाना बनाकर मार गिराया।

दुश्मन में दहशत : एस-400 की लंबी दूरी के रडार और मारक क्षमता का खौफ इतना ज्यादा था कि पाकिस्तान को यह समझ आ गया था कि सिंधु नदी के पूर्व में उसका कोई भी हवाई प्लेटफॉर्म सुरक्षित नहीं है। मजबूर होकर पाकिस्तान को अपने सभी सक्रिय लड़ाकू विमानों और हवाई प्लेटफॉर्म्स को भारतीय मिसाइलों की जद से बचाने के लिए क्वेटा और पेशावर एयरबेस पर शिफ्ट करना पड़ा था।

पाकिस्तानी साजिश नाकाम : बौखलाए पाकिस्तान ने पंजाब और गुजरात में तैनात भारत के दो एस-400 सिस्टम्स को निशाना बनाने की हताश कोशिश भी की थी, जो पूरी तरह से विफल रही।

5 नए सिस्टम और 280 मिसाइलों की खरीद को हरी झंडी : केंद्र की मोदी सरकार ने अपनी हवाई सुरक्षा को और अधिक विस्तार देते हुए पांच और एस-400 सिस्टम के अधिग्रहण को मंजूरी दे दी है।

सिक्किम से प्रभावित पीएम मोदी बोले

अगर यहां के ऑर्किड नहीं देखे तो आपने असली सुंदरता नहीं देखी

गंगटोक : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को सिक्किम के राज्यत्व के 50वें वर्ष के समापन समारोह में हिस्सा लेते हुए नॉर्थ ईस्ट और सिक्किम को लेकर कई अहम बातें कहीं। उन्होंने कहा कि सिक्किम और पूरा पूर्वोत्तर केवल देश का हिस्सा नहीं, बल्कि 'भारत की अष्टलक्ष्मी' है, जो देश की समृद्धि और शक्ति का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने कहा, ₹नॉर्थ ईस्ट हिंदुस्तान की अष्टलक्ष्मी है। इसलिए हम 'एक्ट ईस्ट' नीति पर काम कर रहे हैं और साथ ही 'एक्ट फास्ट' का संकल्प भी लिया है।₹ उन्होंने बताया कि सरकार का खास फोकस सिक्किम की कनेक्टिविटी और इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने पर है। पिछले कुछ वर्षों में यहां सैकड़ों किलोमीटर हाईवे बनाए गए हैं और गांव-गांव तक सड़क पहुंचाने का काम तेजी से चल रहा है। पीएम मोदी ने सिक्किम की सबसे बड़ी ताकत उसकी टूरिज्म इकोनॉमी को बताया। उन्होंने कहा कि भले ही सिक्किम का क्षेत्रफल देश के कुल क्षेत्रफल का 1 प्रतिशत से भी कम है, लेकिन यहां देश की 25 प्रतिशत से ज्यादा फ्लोरल

डाइवर्सिटी पाई जाती है। खासतौर पर ऑर्किड्स का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अगर आपने सिक्किम के ऑर्किड नहीं देखे, तो आपने असली सुंदरता का अनुभव नहीं किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सिक्किम के लिए संभावनाओं का एक और क्षेत्र स्काई स्पोर्ट्स में भी है। यहां के युवाओं ने स्पोर्ट्स में अपनी क्षमता और प्रतिभा को बड़े बड़े मंचों पर साबित किया है। फुटबॉल, बॉक्सिंग, तीरंदाजी जैसे खेलों में यहां से निकले खिलाड़ियों ने सिक्किम और देश का नाम रोशन किया है। इन प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए हम खेलो इंडिया और फिट इंडिया जैसे आंदोलन चला रहे हैं। यहां की स्टेट स्पोर्ट अकादमी को भी पुनर्जीवित किया गया है। सिक्किम प्रीमियर लीग जैसे स्पोर्ट्स इवेंट को बढ़ावा दिया जा रहा है, ताकि ज्यादा से ज्यादा संख्या में खिलाड़ियों को खेलने का मौका मिले, उनके खेल में सुधार आए।

पीएम मोदी ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि वह एक दिन पहले गंगटोक पहुंचे थे और यहां का माहौल देखकर बेहद खुश हुए। बंगाल चुनाव की व्यस्तता के बाद यहां आकर एक नई अनुभूति मिली। चारों तरफ उत्सव का माहौल था और मन खुशियों से भर गया। उन्होंने सिक्किम के मौसम और प्राकृतिक सुंदरता की भी तारीफ की और इसे 'पूरब का स्वर्ग' और 'ऑर्किड्स का गार्डन' बताया। उन्होंने कहा कि सिक्किम की शांति, आध्यात्मिकता और प्राकृतिक सौंदर्य का अनुभव बहुत खास होता है और यह हर किसी को नहीं मिलता। पीएम मोदी ने देशवासियों से अपील की कि वे सिक्किम जरूर घूमने आएं, क्योंकि यहां के लोग प्रकृति के सच्चे ब्रांड एंबेसडर हैं।

प्रधानमंत्री ने सिक्किम के लोगों की सादगी, सौम्यता और मुस्कान की भी सराहना की। उन्होंने बताया कि दौरे से पहले भी वह सिक्किम के कई प्रतिभाशाली लोगों (पद्म सम्मान विजेताओं, कलाकारों और फुटबॉल खिलाड़ियों) से मिले और उनसे विभिन्न विषयों पर बातचीत की।

अपने रोड शो का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि वह अनुभव उनके लिए अविस्मरणीय रहेगा। उन्होंने बताया कि लोगों के हाथों में तिरंगा था, 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के नारे गूंज रहे थे, जिससे पूरा माहौल 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना से भर गया था।

उन्होंने सिक्किम की स्वच्छता की भी जमकर तारीफ की। प्रधानमंत्री ने कहा, ₹पूरे रास्ते में सड़कों की साफ-सफाई देखकर मैं प्रभावित हुआ। न कहीं गंदगी दिखी, न हवा में प्रदूषण। सिक्किम के लोग प्रकृति के सच्चे संरक्षक हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि सिक्किम ने ऐसे समय में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का उदाहरण पेश किया है, जब देश में कई बार भाषा, क्षेत्र और जाति के नाम पर विभाजन की राजनीति होती है। उन्होंने इस कार्यक्रम को भारत की विविधता और एकता का सुंदर प्रदर्शन बताया।

खूंटी में देर रात फायरिंग: घर में घुसकर युवक को मारी गोली

एक आरोपी ग्रामीणों के हत्थे चढ़ा, पुलिस ने किया गिरफ्तार

संवाददाता

खूंटी : जिले के मुरहू थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात सनसनीखेज वारदात सामने आई है। ग्राम डेह-केला में अज्ञात अपराधियों ने एक घर में घुसकर मारपीट और गाली-गलौज करते हुए एक युवक को गोली मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, 25 अप्रैल की रात करीब दस बजे पुलिस अधीक्षक, खूँटी ऋषभ गर्ग को सूचना मिली कि केदार अहीर के घर में कुछ हथियारबंद अपराधी घुस आए हैं। इस दौरान अपराधियों ने केदार अहीर के पुत्र रुसु अहीर के साथ मारपीट की और उसके जांघ में गोली मार दी। गोली लगने से युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया।

घटना के बाद ग्रामीणों ने साहस दिखाते हुए एक आरोपी को मौके पर ही पकड़ लिया और उसे बंधक बना लिया। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वरुण रजक के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटनास्थल पर पहुंचकर पकड़े गए आरोपी को ग्रामीणों के चंगुल से छुड़ाया।

पुलिस ने घायल युवक और पकड़े गए आरोपी को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुरहू में इलाज के लिए भर्ती कराया। इस मामले में मुरहू थाना कांड संख्या 37/26 के तहत विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान 23 वर्षीय खुदीराम ओड़ेया, ग्राम पांगुरा और 21 वर्षीय जोहन मुण्डू , ग्राम सोमार बाजार के रूप में हुई है। दोनों आरोपी मुरहू थाना क्षेत्र के निवासी हैं। पुलिस के अनुसार, एक आरोपी इलाजरत है। इनके पास से जप्त सामान में एक देशी पिस्टल, एक देशी कट्टा और फायर किया हुआ कारतूस का खोखा, एक मोटरसाइकिल बरामद हुआ है। इस पूरी छापेमारी टीम में शामिल अधिकारी में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वरुण रजक, पुलिस निरीक्षक फ्रांसिस जेवियर बाड़ा, थाना प्रभारी नायल गोडविन केरकेट्टा सहित मुरहू थाना के कई पुलिस अधिकारी और जवान शामिल थे। पुलिस इस मामले की गहन जांच कर रही है और अन्य फरार अपराधियों की तलाश में छापेमारी जारी है। घटना के पीछे के कारणों का भी पता लगाया जा रहा है।

खूंटी में नीट परीक्षा को लेकर प्रशासन अलर्ट

कदाचार मुक्त व शांतिपूर्ण आयोजन पर जोर

संवाददाता

खूंटी: जिले में आगामी 3 मई 2026 को आयोजित होने वाली ठएएळ (वत्रह्व) परीक्षा को निष्पक्ष, कदाचार मुक्त एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। इसी क्रम में उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग, अनुमंडल पदाधिकारी दीपेश कुमारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी आपरूपा चौधरी सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं परीक्षा केंद्र के सिटी कोऑर्डिनेटर उपस्थित रहे।

बैठक में बताया गया कि इस वर्ष जिले से लगभग 158 परीक्षार्थी ठएएळ परीक्षा में शामिल होंगे। परीक्षा का आयोजन 3 मई को दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक होगा। इसके लिए पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, डुमरदग्गा (खूंटी) को परीक्षा केंद्र बनाया गया है।

उपायुक्त ने परीक्षा को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए कई अहम निर्देश दिए। उन्होंने परीक्षा केंद्र पर पर्याप्त मजिस्ट्रेट एवं पुलिस बल की तैनाती, सीसीटीवी इंस्टॉलेशन, फ्रिस्किंग एवं बायोमेट्रिक जांच की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही पेयजल, मेडिकल सुविधा के लिए एंबुलेंस, ट्रैफिक एवं भीड़ नियंत्रण, कंट्रोल रूम और हेल्पलाइन नंबर जारी करने जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया।

परीक्षार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए चौक-चौराहों पर साइनेज बोर्ड लगाने तथा परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए परीक्षा केंद्र के आसपास धारा 163 लागू करने के निर्देश भी दिए गए। उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे परीक्षा से पूर्व केंद्र का निरीक्षण कर सभी व्यवस्थाओं को दुरुस्त करें और जारी एसओपी का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि समय का विशेष ध्यान रखते हुए फ्रिस्किंग एवं बायोमेट्रिक प्रक्रिया समय पर पूरी कराई जाए, ताकि परीक्षा निर्धारित समय पर शुरू और समाप्त हो सके।

वज्रपात से 10 वर्षीय किशोरी की मौत, एक बकरी भी मरी

खूंटी : जिले के रनिया थाना क्षेत्र अंतर्गत मनाहातू गांव में सोमवार को दर्दनाक हादसा हो गया। खेत में बकरी चरा रही 10 वर्षीय एतवारी गुड़िया की वज्रपात की चपेट में आने से मौत हो गई। इस घटना में एक बकरी की भी मौके पर ही मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, एतवारी गुड़िया मनाहातू गांव में अपने फुआ अकता कोनगाड़ी के घर रहकर गांव के स्कूल में कक्षा पांचवीं की पढ़ाई कर रही थी। सोमवार दोपहर करीब दो बजे वह खेत में बकरी चरा रही थी, तभी अचानक मौसम खराब हो गया। तेज बारिश के साथ वज्रपात हुआ और वह इसकी चपेट में आ गई।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आनन-फानन में बच्ची को घर लाया गया। ग्रामीणों द्वारा पारंपरिक तरीके से गोबर का लेप लगाकर उपचार करने की कोशिश की गई, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

मृतका के पिता चंदा मुंडा और माता सोमारी मूल रूप से तपकरा थाना क्षेत्र के लोहाजिमी गांव के निवासी बताए जाते हैं। इस घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है।

खूंटी थाना के सामने बाइक में भीषण आग, जलकर हुई राख

खूंटी : थाना के सामने मंगलवार को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब एक इं ढ४'२१ ठर200 बाइक में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और पूरी बाइक जलकर खाक हो गई। गनीमत रही कि इस घटना में किसी भी व्यक्ति के हताहत होने की सूचना नहीं है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बाइक के मालिक अरुण ने कुछ दिन पहले ही पिपरा टोली स्थित एक सेकंड हैंड बाइक शोरूम से यह पल्सर ठर 200 खरीदी थी। मंगलवार को वह भंडरा से खूंटी लौट रहा था। रास्ते में उसने मिश्रा टोली पेट्रोल पंप से पेट्रोल भरवाया। पेट्रोल भरवाने के बाद जैसे ही वह आगे बढ़ा, बाइक से पेट्रोल रिसाव शुरू हो गया और कुछ ही देर में उसमें आग लग गई।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अरुण ने तुरंत बाइक को खूंटी थाना के सामने खड़ा कर पुलिस को सूचना दी। उस समय आग मामूली थी, जिसे समय रहते बुझाया जा सकता था। लेकिन थाना परिसर में फायर एक्सटिंग्विशर उपलब्ध नहीं होने की जानकारी सामने आई। इसी कारण आग पर तुरंत काबू नहीं पाया जा सका और देखते ही देखते पूरी बाइक जलकर राख हो गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, घटना के काफी देर बाद तक भी फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर नहीं पहुंच सकी, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई। लोगों ने इस लापरवाही पर नाराजगी जताते हुए कहा कि जिला मुख्यालय के थाना में ही अगर आग से निपटने के बुनियादी संसाधन उपलब्ध नहीं हैं, तो यह बेहद चिंताजनक है। घटना के बाद स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि सभी सरकारी दफ्तरों, खासकर थाना परिसरों में फायर एक्सटिंग्विशर जैसी जरूरी सुरक्षा उपकरणों की व्यवस्था अनिवार्य रूप से की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं में समय रहते नुकसान को कम किया जा सके। हालांकि इस घटना में किसी की जान नहीं गई, जो राहत की बात है, लेकिन इस हादसे ने सुरक्षा व्यवस्था की बड़ी खामी को उजागर कर दिया है।

सांसद कालीचरण सिंह ने रेल मंत्री का आभार व्यक्त किया

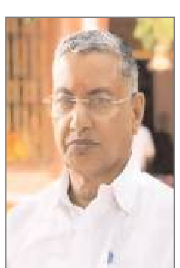

चतरा : चतरा लोकसभा क्षेत्र के सांसद कालीचरण सिंह ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव जी को पत्र प्रेषित कर रिचुगुटा एवं बरवाडीह रेलवे स्टेशनों पर ट्रेनों के ठहराव की मांग को रखा। साथ ही उन्होंने लातेहार स्टेशन पर रांची राजधानी एक्सप्रेस तथा टोरी स्टेशन पर धनबाद-लोकमान्य तिलक टर्मिनल एक्सप्रेस के ठहराव की स्वीकृति प्रदान किए जाने पर रेल मंत्री के प्रति चतरा लोकसभा क्षेत्र की समस्त जनता की ओर से हार्दिक आभार एवं बधाई भी व्यक्त की। सांसद के इस प्रयास से क्षेत्र में रेल सेवाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। इस निर्णय से यात्रियों, विद्यार्थियों, व्यवसायियों एवं आमजन को सीधा लाभ मिलेगा। आवागमन सुगम होने के साथ-साथ क्षेत्रीय विकास को भी नई गति प्राप्त होगी।

बाबू वीर कुंवर सिंह जी का शहादत दिवस

अखिल राजपूताना कल्याण न्यास की ओर से किया गया सम्मान समारोह आयोजित

ऐसे आयोजनों से लोगों को प्रेरणा मिलती है : सुनील कुमार सिंह

संवाददाता

रांची: अखिल राजपूताना कल्याण न्यास के तत्वाधान में वीर शिरोमणि बाबू वीर कुंवर सिंह जी के शहादत दिवस के अवसर पर बाबू वीर कुंवर सिंह पार्क (रांची हरमू) में बलिदान दिवस सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का सफल संचालन संस्था के अध्यक्ष मनीष कुमार सिंह जी के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में सामाजिक क्षेत्र से जुड़े गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थित रही। कार्यक्रम की शुरूआत बाबू वीर कुंवर सिंह जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के साथ की गई। इसके बाद गणमान्य लोगों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। सभी अतिथियों का पारंपरिक तरीके से कुमकुम तिलक और अक्षत लगाकर स्वागत किया गया जिसमें अंजली राज और शिल्पी कुमारी की यह हम भूमिका रही। महिला सशक्तिकरण में योगदान के लिए

मनीष सिंह रीना सिंह और सुमन सिंह को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री कमलेश सिंह जी उपस्थित रहे, जबकि अध्यक्षता वीर कुंवर सिंह विचार मंच के अध्यक्ष विनय सिंह उर्फ बिनु सिंह जी द्वारा की गई। स्वागत भाषण एडवोकेट संतोष सिंह ने दिया वहीं रंजन सिंह ने वीर कुंवर सिंह के प्रेरणादायक जीवन और उनके अद्वितीय साहस पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर चिकित्सा विधि और सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कई गणमान्य व्यक्तियों के साथ राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह जी को राष्ट्रहित और सामाजिक क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए अंग वस्त्र, पुष्प गुच्छ और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। चिकित्सा क्षेत्र से डॉ० अजीत कुमार, डॉ० आशुतोष सिंह, डॉ० संकेत सिंह, डॉ० पल्लवी, डॉ० अंशुमान, डॉ० मुकेश, डॉ० मृत्युंजय, डॉ० गंगा प्रसाद सिंह, और डॉ० ए० के० लाल सहित कई चिकित्सकों को सम्मान मिला। वहीं विधि और सामाजिक क्षेत्र से अधिवक्ता अभिषेक भारती, नंदलाल तिवारी, सेवानिवृत्ति जज एच एन सिंह समेत अनेक गणमान्य व्यक्तियों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने वीर कुंवर सिंह जी के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि कमलेश सिंह ने विपरीत परिस्थितियों में भी हार ना मानने का संदेश दिया। जबकि अध्यक्षीय संबोधन में विनय सिंह जी ने देशभक्ति को आत्मा की पुकार बताया।

वहीं संस्था के अध्यक्ष मनीष कुमार सिंह ने कहा की उम्र कोई मायने नहीं रखती हमें उनके आदर्शों पर चलकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना होगा। वहीं राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह जी ने कहा कि ऐसे आयोजनों से लोगों को प्रेरणा मिलती है जिससे लोग अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित होते हैं। कहा की समाजहित व राष्ट्रहित में किए गए कार्यों से आपसी लोगों में आपसी भाईचारे के साथ समाज में एकता कायम होती है। पूरे कार्यक्रम का मंच संचालन श्री राम सिंह जी ने प्रभावशाली ढंग से किया। आयोजन को सफल बनाने में श्री राम सिंह जी के साथ रंजन सिंह, संतोष सिंह, अविनाश सिंह, विनोद सिंह, रामेश्वर दयाल सिंह, सहित कई कार्यकताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। अंत में अध्यक्ष मनीष कुमार सिंह ने कार्यक्रम समापन की घोषणा की।

18 साल बाद भी सड़क,बिजली और मोबाइल नेटवर्क से वंचित पांच गांव

ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री से लगाई गुहार

संवाददाता

चतरा: भले ही सरकार सुदूरवर्ती क्षेत्रों में विकास के लाखों दावे करते थकती नहीं हो,परंतु हकीकत इससे उलट है। राज्य के अधिकांशत क्षेत्र आज भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। चतरा जिले का सुदूरवर्ती लावालौंग

प्रखंड क्षेत्र का कोलकोले पंचायत इसका ताजा उदाहरण है। इस पंचायत के पांच गांव भुसाड़,मढ़वा,सम्भे,लेमोडीह और विशनपुर आजादी के करीब 78 वर्ष बाद भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं।सड़क,बिजली और मोबाइल नेटवर्क जैसी बुनियादी समस्याओं को लेकर ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री के नाम आवेदन सौंपते हुए शीघ्र समाधान की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि देश जहां आधुनिकता,डिजिटल भारत,आत्मनिर्भर भारत और तेज विकास की ओर बढ़ रहा है, वहीं उनका गांव आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहा है।गांवों तक पहुंचने के लिए पक्की सड़क नहीं है,जिससे बरसात के दिनों में आवागमन पूरी तरह बाधित हो जाता है।मरीजों,गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों को अस्पताल ले जाने में भारी परेशानी होती है।बिजली और नेटवर्क की समस्या से बड़ी परेशानी बनकर कायम है।ग्रामीणों ने बताया कि कई बार विभागीय अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को समस्या से अवगत कराया गया,लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई। गांवों में बिजली व्यवस्था बेहद खराब है,जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है और लोगों को अंधेरे में जीवन बिताना पड़ रहा है।मोबाइल नेटवर्क नहीं होने के कारण ग्रामीण डिजिटल सेवाओं, ऑनलाइन पढ़ाई,बैंकिंग सुविधा और सरकारी योजनाओं की जानकारी से वंचित हैं।आपात स्थिति में किसी से संपर्क करना भी मुश्किल हो जाता है।ग्रामीणों का आरोप है कि उनके क्षेत्र को वर्षों से विकास कार्यों में नजरअंदाज किया गया है।इस कारण यहां के लोगों को उपेक्षा, गरीबी,बेरोजगारी और कठिन जीवन जीने को मजबूर होना पड़ रहा है।ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री से त्वरित कार्रवाई की मांग करते हुए कहां है वंचित उक्त पांचों गांवों में सड़क निर्माण,नियमित बिजली आपूर्ति और मोबाइल टावर लगाने की दिशा में शीघ्र कार्रवाई की जाए ताकि क्षेत्र के लोगों को भी विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जा सके।ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे आगे जन आंदोलन करने को बाध्य होंगे होंगे।

पेयजल समस्या निवारण पखवाड़ा

गांव-गांव तक पहुंच रही पहल शिविरों में मिल रहा त्वरित समाधान

206

चतरा : भीषण गर्मी के बीच जिले में चल रहा ह्लपेयजल समस्या निवारण पखवाड़ाह्व अब जमीनी स्तर पर असर दिखाने लगा है। 24 अप्रैल से 11 मई तक चल रहे इस विशेष अभियान के तहत पंचायतों से लेकर शहरी वार्डों तक शिविर लगाकर आमजनों की समस्याएं सीधे सुनी जा रही हैं और उनका त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जा रहा है।सोमवार को जिले के विभिन्न प्रखंडों के चयनित पंचायतों में शिविर आयोजित किए गए। चतरा प्रखंड के बरैनी एवं दारियातु, गिद्धौर के मंझगांवा, हंटरगंज के डाहा एवं लेंजवा, प्रतापपुर के भरही एवं योगियारा, कुंदा के मरगड़ा, लावालौंग के मंधनिया, सिमरिया के चोपे एवं पगार, इटखोरी के टोनाटांड़ एवं पितीज, मयूरहंड के फुलांग, कान्हाचट्टी के कोल्हैया, पत्थलगड्डा के सिंघानी तथा टंडवा के सरादू एवं कबरा पंचायतों में आयोजित शिविरों में बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे और अपनी समस्याएं दर्ज कराईं। इसी क्रम में

नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत वार्ड संख्या 05 एवं 06 (मध्य विद्यालय, दीभा स्कूल परिसर) में भी शिविर लगाकर प्राप्त शिकायतों का ऑन-द-स्पॉट निष्पादन किया गया।अभियान की विशेषता यह रही कि शिकायतों के साथ-साथ मौके पर ही तकनीकी टीमों को सक्रिय कर खराब पड़े चापाकलों, जलमीनारों एवं पाइपलाइन को चिन्हित कर मरम्मत करने कार्य किया जा रहा है। कई स्थानों पर लंबे समय से बंद पड़े पेयजल स्रोतों को पुनः चालू कर लोगों को तत्काल राहत प्रदान की जा रही है। साथ ही शिविरों के दौरान ग्राम सभा के माध्यम से पंचायत स्तर पर प्राथमिकता वाली योजनाओं का चयन भी किया जा रहा है, ताकि स्थानीय जरूरतों के अनुरूप स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जा सके।प्रशासन द्वारा तय कार्यक्रम के अनुसार 28 अप्रैल को भी यह अभियान जारी रहेगा। इस दिन चतरा प्रखंड के देवरिया एवं मोकतमा, गिद्धौर के पहरा, हंटरगंज के दंतार एवं पैनीकला, प्रतापपुर के टण्डवा एवं रामपुर, कुंदा के बौद्याडीह, लावालौंग के लमटा, सिमरिया के कसारी एवं ईचाक, इटखोरी के हलमता एवं शहरजाम, मयूरहंड के हुसिया, कान्हाचट्टी के बकचुम्बा, पत्थलगड्डा के नोनगांव तथा टंडवा के बचरा उत्तरी एवं बचरा दक्षिणी पंचायतों में शिविर आयोजित किए जाएंगे। साथ ही नगर परिषद, चतरा अंतर्गत वार्ड संख्या 07 (अटल क्लीनिक, छठ तालाब) एवं वार्ड संख्या 08 (कर्मचारी भवन) में भी शिविर लगाए जाएंगे, जहां आमजनों की समस्याएं सुनी जाएंगी।जिला प्रशासन ने आमजनों से अपील किया है कि वे अपने-अपने क्षेत्र में आयोजित शिविरों में पहुंचकर पेयजल से संबंधित समस्याएं दर्ज कराएं, ताकि उनका त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

चतरा एसपी अनिमेष नैथानी ने हंटरगंज थाना का किया निरीक्षण

चतरा : जिले के नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी पदभार ग्रहण करने के बाद पहली बार हंटरगंज थाना पहुंचे। जहां उन्होंने थाना का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना की विधि-व्यवस्था, लंबित कांडों की स्थिति, अपराध नियंत्रण उपायों और पुलिस कार्यशैली की गहन समीक्षा की। निरीक्षण के क्रम में एसपी ने सबसे पहले थाना परिसर का जायजा लिया और साफ-सफाई, फरियादियों के लिए पेयजल,अभिलेख संधारण एवं मालखाना की स्थिति की जांच की। उन्होंने थाना में दर्ज लंबित मामलों की फाइलों का अवलोकन करते हुए कांडों के शीघ्र निष्पादन का निर्देश दिया। साथ ही वारंट, कुर्की-जब्ती और फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी में तेजी लाने का निर्देश दिया। मौके पर हंटरगंज थाना प्रभारी प्रभात कुमार, पुलिस इंस्पेक्टर विपिन कुमार,सब इंस्पेक्टर दिलीप कुमार, वीरबहादुर सिंह, राजदेव पांडे, भोला साह, एएसआई अजय कुमार महतो, राजेंद्र नाथ मुंडा सहित अन्य पुलिस कर्मी मौजूद थे।

निजी स्कूलों की फीस वृद्धि पर प्रशासन जल्द करे कार्रवाई : अजय राय

रांची : रांची में निजी विद्यालयों द्वारा मनमानी फीस वृद्धि और विभिन्न मदों में अतिरिक्त वसूली को लेकर झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन ने जिला प्रशासन पर गंभीर सवाल उठाए हैं। एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि उपायुक्त के आश्वासन के बावजूद अभिभावकों को अब तक कोई वास्तविक राहत नहीं मिली है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्र 2026-27 में कई स्कूलों द्वारा बिना पारदर्शिता के फीस बढ़ाई जा रही है, साथ ही एनुअल चार्ज, डेवलपमेंट चार्ज और कंप्यूटर फीस के नाम पर अतिरिक्त वसूली की जा रही है। इसके अलावा, कुछ स्कूलों द्वारा निर्धारित दुकानों से ही किताबें खरीदने का दबाव भी बनाया जा रहा है। अजय राय ने कहा कि फीस नियंत्रण समिति के गठन के बावजूद अब तक कोई ठोस बैठक या कार्रवाई नहीं हुई है, जिससे अभिभावकों में नाराजगी बढ़ रही है। एसोसिएशन ने मांग की है कि सभी निजी स्कूलों की फीस संरचना की जांच हो और अवैध वसूली पर सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन व्यापक आंदोलन करेगा।

नगर निगम ने अतिक्रमण हटाया व सामान जब्त किया

रांची : कचहरी रोड और रातू रोड फ्लाईओर के आसपास व्याप्त भीषण अतिक्रमण और यातायात कुव्यवस्था के खिलाफ रांची जिला बार एसोसिएशन ने मोर्चा खोल दिया है। सोमवार को एसोसिएशन के महासचिव संजय कुमार विद्रोही ने रांची के उपायुक्त को एक कड़ा पत्र लिखकर इस गंभीर समस्या के स्थाई समाधान की मांग की है। इस पत्र की प्रतिलिपि मुख्यमंत्री, राज्यपाल, दक्षिणी छोटानागपुर के आयुक्त और नगर आयुक्त को भी प्रेषित की गई है।

अवैध मंडी में तब्दील हुआ इलाका : पत्र में बार एसोसिएशन ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि रातू रोड फ्लाईओर का हिस्सा जहाँ जाकिर हुसैन पार्क के समीप उतरता है, वहाँ से लेकर कचहरी चौक तक की सड़कें गंभीर अव्यवस्था की शिकार हैं। प्रतिदिन सुबह यहाँ नारियल और अन्य थोक सामानों की अवैध मंडी सजती है, जिससे पूरा क्षेत्र एक ह्यअनौपचारिक मंडीह्न बन चुका है। सड़क के दोनों ओर फुटपाथ पूरी तरह अवरुद्ध हैं, जिसके कारण अधिवक्ताओं, न्यायिक अधिकारियों और आम नागरिकों को दैनिक अपमान और जोखिम का सामना करना पड़ रहा है।

प्रशासनिक विफलता पर उठाए सवाल : एसोसिएशन ने इसे केवल यातायात की समस्या नहीं, बल्कि प्रशासनिक असफलता करार दिया है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि तीसरी आंख , ट्रैफिक पुलिस और स्थानीय प्रशासन की मौजूदगी के बावजूद राजभवन और न्यायालय जैसे अति-संवेदनशील क्षेत्रों के सामने इस प्रकार का अतिक्रमण बना रहना व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।

विनय चौबे की जमानत याचिका अदालत ने की खारिज

रांची : झारखंड के निलंबित आईएएस अधिकारी विनय चौबे को हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। लगभग 11 महीने से अधिक समय से जेल में बंद विनय चौबे की जमानत याचिका को अदालत ने खारिज कर दिया है। इस फैसले के बाद उनकी मुश्किलें और बढ़ गई हैं। यह मामला एंटी करप्शन ब्यूरो द्वारा दर्ज कांड संख्या 11/2025 से जुड़ा हुआ है। आरोप है कि हजारीबाग में उपायुक्त (ऊ) के पद पर रहते हुए विनय चौबे के कार्यकाल में सेवायत भूमि की अवैध तरीके से खरीद-बिक्री की गई थी। इस मामले में गुरुवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई थी। दोनों पक्षों विनय चौबे और अउइ की ओर से बहस पूरी होने के बाद अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। इसके बाद जस्टिस अनुभा रावत चौधरी की अदालत ने सुनवाई करते हुए जमानत याचिका खारिज कर दी। इस केस में कई अन्य लोगों को भी आरोपी बनाया गया है। इनमें विनय चौबे के करीबी विनय सिंह, उनकी पत्नी स्निग्धा सिंह, हजारीबाग के विधायक प्रदीप प्रसाद, तत्कालीन सीओ शैलेश कुमार और ब्रोकर विजय सिंह सहित कुल 73 लोग नामजद हैं। एसीबी की ओर से विशेष लोक अभियोजक सुमित गड़ोदिया ने अदालत में जमानत का जोरदार विरोध किया। वहीं, विनय चौबे की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आर। एस। मजूमदार ने उनकी ओर से पक्ष रखा।

वीर कुंवर सिंह के शहादत दिवस पर बलिदान दिवस सम्मान समारोह आयोजित

रांची: अखिल राजपूताना कल्याण न्यास के तत्वावधान में वीर शिरोमणि बाबू वीर कुंवर सिंह के शहादत दिवस पर बलिदान दिवस सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जो संस्था के अध्यक्ष मनीष कुमार सिंह के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण व श्रद्धांजलि के साथ हुई, जिसके बाद दीप प्रज्ज्वलन कर विधिवत शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री कमलेश सिंह उपस्थित रहे, जबकि अध्यक्षता वीर कुंवर सिंह विचार मंच के अध्यक्ष बिनय सिंह ने की। इस अवसर पर चिकित्सा, विधि और सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले कई लोगों को अंगवस्त्र व मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने वीर कुंवर सिंह के जीवन से प्रेरणा लेने का आान करते हुए एकता और राष्ट्रभक्ति पर जोर दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के सफल आयोजन में श्रीराम सिंह, रंजन सिंह, संतोष सिंह, अविनाश सिंह, विनोद सिंह सहित अनेक कार्यकताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा, जबकि अंत में कार्यक्रम की समापन घोषणा अध्यक्ष मनीष कुमार सिंह द्वारा की गई।

सीएम ने समीक्षा बैठक में दिए कई निर्देश

डिजिटल मॉनिटरिंग, वर्किंग वुमन डेटा बेस और ऑनलाइन एजुकेशन पर जोर

संवाददाता

रांची: झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को प्रोजेक्ट भवन में महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग तथा अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को कई अहम निर्देश दिए। खासकर एनजीओ के माध्यम से संचालित योजनाओं में पारदर्शिता, डिजिटलाइजेशन और सख्त मॉनिटरिंग पर जोर दिया गया।

एनजीओ के कार्यों का डिजिटल डाटा होगा तैयार : मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी स्वयंसेवी संस्थाओं के कार्यों का डिजिटल डेटा बेस तैयार किया जाए और उनकी गतिविधियों की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए, ताकि योजनाओं का लाभ सही लाभार्थियों तक पहुंचे।

वर्किंग वुमन के लिए बनेगा राज्यव्यापी डेटा बेस : इस बैठक में मिशन शक्ति के तहत संचालित सखी निवास योजना की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य में कामकाजी महिलाओं का समग्र डेटा बेस जल्द तैयार किया जाए। इस योजना के तहत महिलाओं को सुरक्षित आवास और डे-केयर जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने शक्ति सदन जैसी योजनाओं के संचालन में स्वयं सहायता समूहों को शामिल करने की कार्य योजना बनाने को कहा, ताकि स्थानीय स्तर पर महिलाओं की भागीदारी बढ़े और रोजगार के अवसर भी सृजित हों।

मिशन वात्सल्य और ओल्ड एज होम की समीक्षा : मिशन वात्सल्य के तहत संचालित बाल गृह और ओल्ड एज होम की प्रगति की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने इनके संचालन में गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

डिजिटल और ऑनलाइन एजुकेशन पर फोकस : मुख्यमंत्री ने शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक बनाने पर जोर देते हुए कहा कि राज्य में डिजिटल और ऑनलाइन एजुकेशन को बढ़ावा देने के लिए ठोस योजना बनाई जाए। साथ ही उन्होंने निर्देश दिया कि कल्याण विभाग के तहत अस्पताल, हॉस्टल और स्कूलों के साथ नर्सिंग कॉलेज भी संचालित किए जाएं, क्योंकि इस क्षेत्र में रोजगार की व्यापक संभावनाएं हैं।

युवाओं के रोजगार और पोषण योजना पर निर्देश : मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि ऐसी योजनाओं को प्राथमिकता दी जाए, जिससे युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार मिल सके। इसके साथ ही छात्रावास पोषण योजना को जिला स्तरीय कमेटी के माध्यम से संचालित करने के निर्देश भी दिए गए।

शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास पर फोकस : समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास जैसी बुनियादी सुविधाओं का सुदृढ़ क्रियान्वयन सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक संसाधन और छात्रावासों में सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सभी योजनाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए, ताकि अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंच सके।बैठक में राज्य के मुख्य सचिव सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

पुलिसकर्मियों के ट्रांसफर मामले में हाईकोर्ट ने कहा

पुलिसकर्मियों के ट्रांसफर में नियमों का पालन नहीं हुआ

संवाददाता

रांची : झारखंड में पुलिसकर्मियों के ट्रांसफर मामले में बड़ा फैसला आया है। न्यायमूर्ति दीपक रोशन ने सुनवाई करते हुए 54 पुलिसकर्मियों के पक्ष में ऐतिहासिक निर्णय दिया है। इस फैसले से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। मामला उन 54 पुलिसकर्मियों से जुड़ा है, जिन्हें तत्कालीन पुलिस अधीक्षक, धनबाद और तत्कालीन पुलिस महानिदेशक, झारखंड के आदेश पर अलग-अलग जिलों में ट्रांसफर कर दिया गया था। आरोप है कि यह ट्रांसफर प्रशासनिक दृष्टिकोण का हवाला देकर किया गया, लेकिन इसके पीछे नियमों का सही पालन नहीं किया गया।

कई जगह गुहार लगाने के बाद भी नहीं मिली राहत : पुलिसकर्मियों ने अपनी समस्या कई स्तरों पर उठाई, लेकिन कहीं सुनवाई नहीं हुई। निराश होकर सभी पुलिसकर्मियों ने दूसरे जिलों में योगदान दे दिया था। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और न्यायालय का दरवाजा खटखटाया।

हाईकोर्ट ने माना नियमों का पालन नहीं हुआ : हाईकोर्ट ने पूरे मामले की सुनवाई के बाद माना कि इन पुलिसकर्मियों के ट्रांसफर में नियमों के अनुसार प्रक्रिया नहीं अपनाई गई। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि बिना ठोस आधार और नियम संगत प्रक्रिया के ऐसे ट्रांसफर सही नहीं हैं। कोर्ट ने पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी आदेश ज्ञापांक 238/पी0 दिनांक 24।02।2025 को निरस्त कर दिया। साथ ही, सभी 54 पुलिसकर्मियों को फिर से धनबाद जिला में योगदान कराने का निर्देश दिया गया है। इसके लिए पुलिस मुख्यालय, झारखंड को आदेश लागू करने को कहा गया है।

पुलिस एसोसिएशन ने उठाए सवाल : झारखंड पुलिस एसोसिएशन लंबे समय से इस मुद्दे को उठा रहा है। एसोसिएशन का कहना है कि प्रशासनिक दृष्टिकोण के नाम पर कई बार मनमाने तरीके से ट्रांसफर किए जाते हैं। उनका आरोप है कि कई मामलों में पुलिस हस्तक नियम को नजरअंदाज कर दिया जाता है और अफसरों की पसंद-नापसंद के आधार पर ट्रांसफर कर दिए जाते हैं। एसोसिएशन ने कहा कि ऐसे ट्रांसफर का असर सिर्फ नौकरी पर ही नहीं, बल्कि पुलिसकर्मियों के परिवार और उनके मनोबल पर भी पड़ता है। अचानक ट्रांसफर से कई बार पारिवारिक और सामाजिक दिक्कतें भी सामने आती हैं।

डीजीपी से स्पष्ट गाइडलाइन की मांग : एसोसिएशन ने झारखंड के पुलिस महानिदेशक से मांग की है कि सभी जिलों के लिए एक स्पष्ट गाइडलाइन जारी की जाए। ताकि भविष्य में ट्रांसफर प्रक्रिया पूरी तरह नियमों के अनुसार हो और किसी तरह का भेदभाव न हो। एसोसिएशन का कहना है कि अगर पुलिस हस्तक नियमों का सख्ती से पालन किया जाए, तो इस तरह के विवादों से बचा जा सकता है और सिस्टम में पारदर्शिता बनी रहेगी।

महिला आरक्षण बिल केंद्र सरकार जल्द लागू करे : राजद

रांची: राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने केंद्र सरकार पर महिला आरक्षण बिल को लेकर महिलाओं को दिग्भ्रमित करने का आरोप लगाया है। पार्टी के प्रदेश महासचिव मनोज कुमार पाण्डेय ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि महिला आरक्षण के नाम पर देश की महिलाओं के साथ धोखाधड़ी की जा रही है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने वर्ष 2023 में महिला आरक्षण बिल पारित किया था, लेकिन अब तक इसे लागू नहीं किया गया है। उनका आरोप है कि सरकार संशोधन के नाम पर केवल चुनावी लाभ के लिए महिलाओं को भ्रमित करने की कोशिश कर रही है।

मनोज कुमार पाण्डेय ने कहा कि देश की महिलाएं सरकार की मंशा को समझती हैं और भाजपा की कथनी और करनी में अंतर स्पष्ट रूप से देख रही हैं। उन्होंने मांग की कि यदि केंद्र सरकार वास्तव में महिलाओं के हित में काम करना चाहती है, तो 2023 में पारित महिला आरक्षण अधिनियम को अविलंब लागू करे।

उन्होंने आगे कहा कि इस बिल के लागू होने से देश के संघीय ढांचे के सभी स्तरों पर महिलाओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ावा मिलेगा और यह एक ऐतिहासिक कदम साबित हो सकता है।

दिलीप कुमार ने सेल के मुख्य सतर्कता अधिकारी का पदभार संभाला

रांची : इंडियन रेलवे सर्विस ऑफ मैकेनिकल इंजीनियर्स के वरिष्ठ अधिकारी दिलीप कुमार ने 27 अप्रैल को स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) में मुख्य सतर्कता अधिकारी का पदभार ग्रहण किया।

दिलीप कुमार के पास ट्रेन संचालन, रोलिंग स्टॉक के रखरखाव और मानव संसाधन प्रबंधन के क्षेत्र में दो दशकों से अधिक का व्यापक अनुभव है। उन्होंने भारतीय रेलवे में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है, जिनमें ईस्ट सेंट्रल रेलवे में अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक तथा बिहार के नालंदा स्थित हरनौत में मुख्य कार्यशाला प्रबंधक के पद शामिल हैं।

अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण नवाचारों का नेतृत्व किया। इनमें ईसीआर में पहली आईएसओ 9001 प्रमाणित ट्रेन की शुरूआत, वैगनों के लिए इन-सीटू (मौके पर ही) पहिया बदलने की तकनीक को बढ़ावा देना और मधुबनी रेलवे स्टेशन के सौंदर्यीकरण प्रोजेक्ट को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना प्रमुख है। आईआईटी बीएचयू से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बीटेक करने वाले दिलीप कुमार को ह्यउत्कृष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार (2016) और सर्वश्रेष्ठ नवाचार के लिए रेलवे बोर्ड का उत्कृष्टता प्रमाण पत्रह्न (2018-19) से सम्मानित किया जा चुका है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उन्होंने अपनी विशेषज्ञता का प्रदर्शन किया है। उन्होंने आईएनएसईएडी, आईसीएलआईएफ (कुआलालंपुर) में उन्नत प्रबंधन कार्यक्रमों में भाग लिया है, साथ ही शिकागो स्थित एआरआई में वैगन बोगी डिजाइन से संबंधित विशेष प्रशिक्षण भी प्राप्त किया है। दिलीप कुमार की नियुक्ति को सेल में पारदर्शिता और सतर्कता व्यवस्था को और सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

भाजपा ने महिलाओं को गुमराह किया : लाल किशोर

रांची : प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता लाल किशोर नाथ शाहदेव ने भाजपा विधायक पूर्णिमा साहू द्वारा लगाए गए आरोपों पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने भाजपा के दावों को खोखला बताते हुए कहा कि पार्टी महिलाओं को गुमराह करने का प्रयास कर रही है। प्रेस बयान जारी करते हुए शाहदेव ने कहा कि कांग्रेस शुरू से ही महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में आरक्षण देने की समर्थक रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार द्वारा लाया गया नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं को अधिकार देने के बजाय उन्हें भ्रमित करने का माध्यम है। उनके अनुसार, इस अधिनियम में जनगणना और परिसीमन जैसी शर्तें जोड़कर आरक्षण को अनिश्चितकाल के लिए टालने की कोशिश की गई है। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि सबका साथ, सबका विकास का नारा देने वाली पार्टी जमीनी स्तर पर महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के मुद्दों पर गंभीर नहीं है। यदि भाजपा वास्तव में महिलाओं के प्रति संवेदनशील होती, तो बिना शर्तों के तत्काल आरक्षण लागू करती।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर भ्रम फैला रहा विपक्ष : पूर्णिमा साहू

भाजपा का आज रांची में निकलेगा मशाल जुलूस

संवाददाता

रांची : भाजपा नेत्री एवं विधायक पूर्णिमा साहू ने कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर महिलाओं के अधिकारों के मुद्दे पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि 16-17 अप्रैल को संसद में देश की आधी आबादी को समान अधिकार और भागीदारी देने का ऐतिहासिक अवसर था, लेकिन विपक्ष ने इसका विरोध कर महिलाओं के साथ विश्वासघात किया। भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट किया है कि महिलाओं को सम्मान, अधिकार और नीति-निर्माण में भागीदारी देना उनका स्वाभाविक अधिकार है, न कि कोई उपकार।

उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस और अन्य दलों ने वर्षों तक महिलाओं को पर्याप्त राजनीतिक अवसर नहीं दिए। अब जब उन्हें अधिकार देने की पहल हो रही है, तो उनका विरोध उनके महिला-विरोधी दृष्टिकोण को उजागर करता है। साहू ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी स्पष्ट किया है कि परिसीमन का उद्देश्य जनसंख्या के आधार पर संतुलित और न्यायसंगत प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना है। इसके बावजूद विपक्ष देशभर में भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने नारी शक्ति वंदन अधिनियम का उल्लेख करते हुए कहा कि यह पहले से ही जनगणना और परिसीमन से जुड़ा हुआ है। वर्ष 2023 में जब यह अधिनियम सदन में प्रस्तुत किया गया था, तब विपक्ष ने इसका विरोध नहीं किया, लेकिन अब इसके क्रियान्वयन के समय विरोध कर रहा है। भाजपा नेत्री ने कांग्रेस पर महिलाओं के प्रति नकारात्मक सोच रखने का आरोप लगाते हुए कहा कि आज की महिलाएं जागरूक और सशक्त हैं तथा अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने को तैयार हैं। प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने जानकारी दी कि इस अधिनियम के समर्थन में 28 अप्रैल को शाम 5 बजे रांची में जयपाल सिंह स्टेडियम से अल्बर्ट एक्का चौक तक हजारों महिलाओं द्वारा मशाल जुलूस निकाला जाएगा। इस अवसर पर आरती कुजूर, सीमा सिंह, रफिया नाज एवं बबीता झा भी उपस्थित रहीं।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, राँची

सर्वसाधारण के लिए सूचना

नाम–सतीश कुमार, उम्र–65 वर्ष, उॅचाई–5 फीट 6 ईंच, रंग–सॉवला, पहनावा–नीला रंग का सूट एवं कथा रंग का ट्राउजर पहने हुए है।

उपरोक्त लापता व्यक्ति सतीश कुमार, उम्र–65 वर्ष, पे0–स्व0 संतोशी पासवान, द्वारिकापुरी रोड़ नं0–10, थाना–चुटिया, जिला–राँची जो दिनांक–13.04.2026 को अपने घर से दूध लाने को कहकर निकले जो आजतक अपने घर वापस नहीं आए है। जिसके संबंध में चुटिया थाना सन्हा सं0–18/2026, दिनांक–14.04.2026 दर्ज कर इनकी खोजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता व्यक्ति कहीं मिलता/दिखता है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

Email ID(rnc-dcb@jhpolice.gov.in)

पुलिस उपाधीक्षक, हटिया, राँची। –9431706143
थाना प्रभारी, चुटिया, राँची। –9431706165

वरीय पुलिस अधीक्षक, राँची

PR 378574 (Police)26-27*D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

आप को बड़ा झटका

पंजाब में विधानसभा चुनाव से सिर्फ दस महीने पहले, राज्यसभा के सात सांसदों द्वारा आम आदमी पार्टी का साथ छोड़ने से पार्टी का संकट गहराता नजर आ रहा है। बगावती तेवरों वाले तीन राज्यसभा सदस्यों राघव चड्ढा, संदीप पाठक और अशोक मित्तल ने पार्टी में विभाजन की घोषणा करते हुए कहा है कि उच्च सदन में आप के दो-तिहाई सांसद यानी दस में सात सदस्यों ने एक गुट के रूप में भारतीय जनता पार्टी में विलय करने का निर्णय कर लिया है। हाल के महीनों में खासे मुखर रहने वाले राघव चड्ढा को राज्यसभा में आप के उपनेता पद से हटाये जाने के बाद उनके द्वारा शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ मोर्चा खोलने के बाद तो विभाजन के संकेत मिलने शुरू हो गए थे। विडंबना यह है कि राज्यसभा में राघव चड्ढा के स्थान पर आप के उप नेता की जगह लेने वाले अशोक मित्तल ने भी उनका ही साथ दिया है। इसमें दो राय नहीं कि बीते साल दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा के हाथों मिली करारी हार के बाद आम आदमी पार्टी के लिये यह सबसे बड़ा झटका माना जा रहा है। एक समय था कि राघव चड्ढा को आम आदमी पार्टी में नई पीढ़ी का ऊजार्वान प्रतीक चेहरा माना जाता रहा है। अब वे ही आप नेतृत्व पर पार्टी के मूलभूत आदर्शों से पीछे हटने का आरोप लगा रहे हैं। राघव व पार्टी के अन्य बागी सांसदों ने आरोप लगाया है कि आम आदमी पार्टी जनसरोकारों को प्राथमिकता देने के बजाय निजी लाभ को तरजीह दे रही है। उनके निशाने पर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ही हैं। जिन्हें पंजाब में मान सरकार की बागडोर दिल्ली से संचालित करने वाला माना जाता रहा है। जैसा कि आपेक्षित था, आबकारी नीति मामले में मुश्किल में फंसे और अदालती लड़ाई लड़ रहे केजरीवाल ने इन सांसदों पर विश्वास तोड़ने और पंजाब की जनता से छल करने का आरोप लगाया है।

केजरीवाल ने आप से अलग होने वाले सांसदों पर पंजाब के लोगों के साथ विश्वासघात करने वाला बताया है। वहीं दूसरी ओर भाजपा भी केजरीवाल के निशाने पर है, जिस पर उन्होंने सुनियोजित साजिश कर-के आम आदमी पार्टी को कमजोर करने का आरोप लगाया है। वास्तव में भाजपा सीमावर्ती राज्य पंजाब में विधानसभा चुनाव को लेकर अपनी जड़ें मजबूत करने की कवायद में जुटी है। इसी कड़ी में भगवा पार्टी ने हाल के वर्षों में पंजाब के कई कांग्रेसी नेताओं को अपने पाले में करने में कामयाबी पायी है। निश्चित रूप से राज्य सभा में आप के दो तिहाई सांसदों का टूटकर भाजपा में मिलना आम आदमी पार्टी के लिये बड़ी चुनौती है। जिसके चलते पंजाब में अपनी खोई जमीन पाने के लिये पार्टी को एकजुट करके आगे बढ़ने की बड़ी चुनौती सामने खड़ी है। इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि आप के कुछ और नेता आगामी दिनों में भाजपा का दामन थाम लें। लेकिन यहां सवाल आप सुप्रीमो पर उठ रहे हैं कि क्या उन्होंने इन नेताओं को राज्यसभा का टिकट देते वक्त पार्टी की रीति-नीतियों की कसौटी पर परखा था या फिर पार्टी की आर्थिक प्राथमिकताओं को ही उनकी योग्यता मान लिया गया था। जाहिर है ये लोग सार्वजनिक जीवन में बहुत चर्चित चेहरे होने के बजाय आर्थिक रूप से समृद्ध लोग रहे हैं। जब चयन में आर्थिक प्राथमिकताएं होती हैं तो चयनित सदस्यों के निर्णय में भी लाभ-हानि का गणित ही प्रभावी रहता है। यहां सवाल कुछ सासंदों के कारोबारी छिद्रों पर सरकारी एजेंसियों का दबाव का भी है, जिन पर पिछले दिनों कार्रवाई भी हुई थी। अनुमान लगाये जा रहे हैं कि शायद इस कार्रवाई के बाद विभिन्न कारोबार से जुड़े अन्य सांसद भी दबाव में आ गए। उन्होंने केंद्र में सत्तारूढ़ राजग की धुलाई मशीन से गुजरना ज्यादा सुरक्षित महसूस किया। बहरहाल, इस घटनाक्रम ने अन्य राज्यों में विपक्षी दलों के लिये भी खतरे की घंटी बजा दी है। निश्चय ही इंडी गठबंधन के लिये अपने दलों को एकजुट रखना आने वाले दिनों चुनौती साबित हो सकता है।

झुलसती जिंदगी

एक वैश्विक संस्था एक्यूआई.इन के हालिया आंकड़ों से यह परेशान करने वाली तस्वीर उभरी है कि दुनिया के सबसे गर्म बीस शहरों में 19 भारत के हैं। निस्संदेह, जलवायु परिवर्तन बढ़ते तापमान का मुख्य कारक है, लेकिन पर्यावरण संरक्षण के प्रति सरकारों व आम नागरिकों की उदासीनता भी इसके मूल में है। घटता वनों का दायरा और हमारी जीवनशैली में बदलाव से बढ़ता कार्बन उत्सर्जन भी बढ़ते तापमान का एक कारक बन रहा है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि पिछले कुछ दिनों तक बारिश के बाद लोग अप्रैल माह में भी ठंड का अनुभव कर रहे थे। उसके कुछ ही दिन बाद तुरंत लू चलने लगी। यह अचानक होने वाला मौसमी बदलाव हमारे स्वास्थ्य के लिए बेहद घातक है। तमाम लोग अचानक मौसमी बदलाव से उत्पन्न बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। गंगा के किनारे बसे उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में देश का सबसे ज्यादा 44.4 तापमान दर्ज किया जाना गंभीर स्थिति को दर्शाता है। चिंता की बात यह है कि गर्मी सामान्य सीमाओं को पार करके आगे बढ़ रही है। मौसम विभाग चेता रहा है कि देश के कई इलाकों में आगामी दिनों में लू की स्थिति बनी रहेगी। कई जगह पारा 43 डिग्री तक पहुंच सकता है। दरअसल, मौसम विभाग का मानक है कि जब तापमान 40 डिग्री सेल्सियस को पार कर जाता है तो इसे लू चलना कहा जाता है। फिक्र की बात यह है कि अप्रैल के चौथे सप्ताह में ही देश के कई शहर हीटवेव की सीमा से आगे बढ़ गए हैं। देश में बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा आदि राज्य इस तपिश का सामना कर रहे हैं। यहां तक कि पहली बार मध्यप्रदेश में रात को हीटवेव चलने की चेतावनी दी गई है। गर्मी का आलम यह है कि देश के कई राज्यों में स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है। दिल्ली के स्कूलों में एक समय अवधि घंटी बजाकर छात्रों को डिहाइड्रेशन से बचने के लिए जागरूक किया जाएगा ताकि वे पानी पीकर गर्मी की चुनौती का मुकाबला करें। गर्मी के बढ़ते प्रकोप के मद्देनजर देश के तमाम राज्यों में जीवन रक्षा के उपाय किए जा रहे हैं। कई जगह श्रमिकों के दिन में कुछ घंटों में काम करने पर रोक लगायी गई है। महाराष्ट्र व छत्तीसगढ़ में ट्रैफिक पुलिस की ड्यूटी का समय बदला गया है। तमाम शहरों में लू के अलर्ट जारी किए जा रहे हैं। कई जगह ट्रैफिक सिग्नल बंद किए गए ताकि लोगों को चौराहों पर धूप में खड़ा न रहना पड़े। सड़कों, बस स्टेशनों तथा रेलवे स्टेशनों में पानी की फुहार के जरिये गर्मी से राहत देने के प्रयास किए जा रहे हैं। ताजमहल देखने पहुंचे कई पर्यटकों के बेहोश होने के समाचार हैं। गर्मी के चलते राजस्थान के कई पर्यटक स्थलों में पर्यटकों की संख्या में गिरावट के संकेत हैं। आशंका जताई जा रही है कि इस सप्ताह दिल्ली में तापमान 45 डिग्री तक पहुंच सकता है। बहरहाल, इन तमाम चिंताओं के बीच प्रश्न यह है कि अप्रत्याशित गर्मी क्यों बढ़ रही है। दरअसल, अप्रैल माह में प्री-मानसून हीट पीरियड के चलते जमीन पर पड़ने वाली तेज धूप गर्मी का एक कारण है। बताया जाता है कि हिमालयी क्षेत्रों में कम बर्फबारी भी गर्मी बढ़ने का एक कारक है। वहीं समुद्री सतह के गर्म होने से भी गर्मी का असर तेज हो रहा है। फलतः वातावरण में ठंडक लाने वाली हवाएं व सिस्टम कमजोर होने से, वे ही गर्मी बढ़ाने का काम कर रहे हैं। वहीं शुष्क हवाएं बादल बनने में अवरोध पैदा कर-के बारिश की संभावना को कम कर दे रही हैं। निश्चित रूप से यह जलवायु परिवर्तन के प्रभाव की भी देन है। यह वर्तमान ही नहीं, भविष्य में भी और तापमान बढ़ने की चिंता भी दर्शाता है। आशंका है कि भविष्य में तापमान में तीव्रता और बार-बार हीटवेव चलने की स्थिति बढ़ सकती है। हाल-फिलहाल मानसून से पहले की फुहारों के कोई लक्षण नजर नहीं आ रहे हैं, जिसका मतलब है कि जल्दी बारिश न होने से इस माह के बाकी दिनों में भी हमें गर्मी की तपिश झेलने को मजबूर होना पड़ेगा।

वाशिंगटन हिल्टन में इतिहास की पुनरावृत्ति या अमेरिकी लोकतंत्र की कमजोरी?

> इस घटना की सबसे चौंकाने वाली और साथ ही डरावनी बात यह है कि यह पहली बार नहीं हुआ। यही होटल, जिसे कभी हिंकली हिल्टन के नाम से भी जाना जाता रहा है, पहले भी अमेरिकी इतिहास की एक बड़ी हिंसक घटना का गवाह रह चुका है। वर्ष 1981 में इसी स्थान के बाहर तत्कालीन राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन पर जॉन हिंकली जूनियर ने गोली चलाई थी।

डॉ. प्रियंका सौरभ

अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन के प्रतिष्ठित वाशिंगटन हिल्टन होटल में शनिवार रात हुई गोलीबारी ने पूरी दुनिया को एक बार फिर चौंका दिया। यह केवल सुरक्षा संबंधी घटना नहीं है, बल्कि एक ऐसा क्षण है जिसने इतिहास, राजनीति और लोकतंत्र–तीनों को एक साथ खड़ा कर दिया। व्हाइट हाउस संवाददाता रात्रिभोज के दौरान अचानक गोलियों की आवाज गूंजी, तो वहां मौजूद हजारों लोगों के लिए यह किसी भयावह स्वप्न से कम नहीं रहा। इस कार्यक्रम में डोनाल्ड ट्रंप, मेलानिया ट्रंप और जेडी वेंस जैसे शीर्ष नेता उपस्थित थे। कुछ ही पलों में उत्सव का माहौल भय और अराजकता में बदल गया। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस की तत्परता ने स्थिति को नियंत्रित कर लिया, लेकिन इस घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए, जिनका उत्तर सरल नहीं है।

इस घटना की सबसे चौंकाने वाली और साथ ही डरावनी बात यह है कि यह पहली बार नहीं हुआ। यही होटल, जिसे कभी हिंकली हिल्टन के नाम से भी जाना जाता रहा है, पहले भी अमेरिकी इतिहास की एक बड़ी हिंसक घटना का गवाह रह चुका है। वर्ष 1981 में इसी स्थान के बाहर तत्कालीन राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन पर जॉन हिंकली जूनियर ने गोली चलाई थी। हमले में रीगन गंभीर रूप से घायल हो गए थे और उनके प्रेस सचिव जेम्स ब्रैडी को स्थायी रूप से विकलांगता का सामना करना पड़ा । उस समय भी यही सवाल उठे थे–सुरक्षा में चूक कैसे हुई? और आज, लगभग 45 वर्ष बाद, वही प्रश्न फिर हमारे सामने खड़ा है। फर्क सिर्फ इतना है कि अब दुनिया कहीं अधिक जटिल हो चुकी है और खतरों के स्वरूप भी बदल चुके हैं। हिल्टन में मौजूद लोगों के अनुसार सब कुछ सामान्य ढंग से चल रहा था। हंसी-मजाक, भाषण, मीडिया और राजनीति का मिश्रण–यह रात्रिभोज हमेशा से अमेरिकी लोकतंत्र की एक अनूठी परंपरा रहा है। लेकिन अचानक हुई गोलीबारी ने इस परंपरा को झकझोर कर रख दिया। लोग मेजों के नीचे छुप गए। अफरा-तफरी मच गई और कुछ ही क्षणों में पूरा वातावरण नियंत्रण से बाहर होता प्रतीत हुआ। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई बड़ा जान-माल का नुकसान नहीं हुआ, लेकिन मानसिक और मनोवैज्ञानिक प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह घटना केवल एक सुरक्षा चूक नहीं है, बल्कि यह अमेरिकी समाज में बढ़ते राजनीतिक तनाव का भी संकेत देती है।

पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका में वैचारिक ध्रुवीकरण तेजी से बढ़ा है। 6 जनवरी कैपिटल दंगा जैसी घटनाएं यह दिखा चुकी हैं कि राजनीतिक मतभेद अब केवल बहस और विचार-विमर्श तक सीमित नहीं रह गए हैं। वे सड़कों पर, संस्थानों में और अब उच्च-स्तरीय आयोजनों में भी खुलकर सामने आ रहे हैं। इस संदर्भ में वाशिंगटन हिल्टन की यह घटना एक अलग घटना नहीं लगती, बल्कि एक व्यापक प्रवृत्ति का हिस्सा प्रतीत होती है। डोनाल्ड ट्रंप की राजनीति भी इस पूरे परिदृश्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उनकी अमेरिका फर्स्ट और मेक अमेरिका ग्रेट अगेन जैसी नीतियों ने जहां एक बड़े वर्ग को आकर्षित किया, वहीं दूसरी ओर समाज के एक हिस्से में असंतोष और विरोध भी पैदा किया। मीडिया के साथ उनका टकराव, फेक न्यूज जैसे शब्दों का प्रयोग और राजनीतिक विरोधियों के प्रति तीखी भाषा–इन सबने सामाजिक माहौल को और अधिक संवेदनशील बना दिया। ऐसे में जब कोई हिंसक घटना घटित होती है, तो वह केवल एक व्यक्ति का कृत्य नहीं प्रतीत होती, बल्कि उस व्यापक सामाजिक और राजनीतिक वातावरण का परिणाम लगती है जिसमें असहमति को अक्सर शत्रुता के रूप में देखा जाने लगा है। सुरक्षा व्यवस्था पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस को विश्व की सबसे सक्षम सुरक्षा एजेंसियों में गिना जाता है। 1981 की घटना के बाद इसमें कई महत्वपूर्ण सुधार किए गए–अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग, अधिक प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मी, और उन्नत निगरानी प्रणाली। फिर भी इस प्रकार की घटना का होना यह दर्शाता है कि भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक आयोजनों में जोखिम को पूरी तरह समाप्त नहीं किया जा सकता। आज के समय में खतरे केवल पारंपरिक हथियारों से नहीं आते, बल्कि वे मानसिक अस्थिरता, ऑनलाइन कट्टरता और व्यक्तिगत निराशा जैसे कारकों से भी जुड़े होते हैं। इस घटना का एक और महत्वपूर्ण पहलू है –डिजिटल युग और सोशल मीडिया की भूमिका। आज विचारों का प्रसार अत्यंत तेज गति से होता है। गलत जानकारी, षड्यंत्र सिद्धांत और कट्टरपंथी विचारधाराएं कुछ ही समय में लाखों लोगों तक पहुंच जाती हैं। जहां 1981 में जॉन हिंकली जूनियर पर फिल्मों के प्रभाव की चर्चा हुई थी, वहीं आज के समय में हमलावरों पर डिजिटल दुनिया और सोशल मीडिया का प्रभाव अधिक देखा जाता है। यह बदलाव सुरक्षा एजेंसियों के सामने नई चुनौतियां प्रस्तुत करता है, क्योंकि अब खतरे की पहचान करना और उसे समय रहते रोकना पहले से कहीं अधिक कठिन हो गया है।

वैश्विक स्तर पर भी इस घटना के प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अमेरिका को दुनिया का सबसे शक्तिशाली लोकतंत्र माना जाता है, और वहां होने वाली घटनाएं अन्य देशों के लिए संकेत का काम करती हैं। भारत जैसे देशों के लिए जहां बड़े पैमाने पर राजनीतिक और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित होते हैं, यह एक चेतावनी है। केवल तकनीकी रूप से सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना पर्याप्त नहीं है, इसके साथ-साथ सामाजिक सौहार्द, संवाद और आपसी विश्वास को भी बढ़ावा देना आवश्यक है। इस घटना ने एक गहरा प्रश्न भी उठाया है–क्या लोकतंत्र वास्तव में सुरक्षित है? लोकतंत्र केवल चुनाव और संस्थाओं का नाम नहीं है, बल्कि यह एक विचारधारा है जिसमें असहमति को स्वीकार किया जाता है और संवाद को प्राथमिकता दी जाती है। जब समाज में संवाद की जगह टकराव ले लेता है तो लोकतंत्र की नींव कमजोर होने लगती है। वाशिंगटन हिल्टन की यह घटना इसी संभावित कमजोरी की ओर संकेत करती है।

इसके सामाजिक निहितार्थ भी अत्यंत गहरे हैं। मीडिया, जो इस कार्यक्रम का मुख्य केंद्र होता है, स्वयं इस घटना का हिस्सा बन गया। पत्रकार, जो सत्ता से प्रश्न पूछने और लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए वहां उपस्थित थे, अचानक स्वयं एक संकट का सामना करने लगे। यह स्थिति हमें यह सोचने पर विवश करती है कि क्या प्रेस की स्वतंत्रता और उसकी भूमिका को लेकर समाज में बढ़ती असहिष्णुता भी इस प्रकार की घटनाओं को जन्म दे रही है। अंततः, यह घटना केवल अमेरिका के लिए नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लिए एक चेतावनी है। इतिहास स्वयं को दोहराता है, लेकिन हर बार वह एक नया संदेश भी देता है। 1981 की घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था में सुधार हुए थे। 2026 की इस घटना के बाद संभवतः और व्यापक बदलावों की आवश्यकता होगी। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन तकनीक या सुरक्षा में नहीं, बल्कि हमारी सोच में होना चाहिए। जब तक समाज में सहिष्णुता, संवाद और पारस्परिक सम्मान को बढ़ावा नहीं मिलेगा, तब तक ऐसी घटनाओं को पूरी तरह रोक पाना कठिन रहेगा। वाशिंगटन हिल्टन की यह रात केवल एक घटना नहीं, बल्कि एक दर्पण है–जिसमें हम लोकतंत्र की शक्ति और उसकी कमजोरियों दोनों को स्पष्ट रूप से देख सकते हैं। यह हमें यह याद दिलाती है कि लोकतंत्र की रक्षा केवल कानून और सुरक्षा एजेंसियों के भरोसे नहीं की जा सकती, बल्कि यह नागरिकों की सोच, उनके व्यवहार और उनके मूल्यों पर भी निर्भर करती है। यदि हम इस संदेश को समझ लें, तो शायद भविष्य में इतिहास को स्वयं को दोहराने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

कौन कर रहा है अमेरिकी वैज्ञानिकों का पीछा?

> अमेरिकी मीडिया के खुलासे के बाद संघीय एजेंसी ने कहा कि जवाब खोजने के लिए ऊर्जा विभाग, युद्ध विभाग और स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर जांच की जा रही है। सत्तारूढ़ रिपब्लिकन पार्टी के नेतृत्व वाली हाउस ओवरसाइट कमेटी ने अलग से जांच करने का फैसला लिया है।

मुकुंद

अमेरिका में साल 2023 से संवेदनशील अनुसंधान कार्यक्रम से जुड़े कम से कम 10 वैज्ञानिकों की मौत हो चुकी या राह चलते गायब हो चुके हैं। इनमें से कुछ का तो कत्ल भी किया गया। गायब हो रही देश की बौद्धिक संपदा को जमीन निगल गई या आसमान खा गया, इसका सीधा जवाब किसी के पास भी नहीं है। इनका संबंध अमेरिका न्यूक्लियर और एयरोस्पेस रिसर्च से रहा है। इससे यह सवाल खड़ा हो गया है कि क्या इन घटनाओं के बीच कोई आपसी संबंध है? इस समय एफबीआई जवाब की तलाश में फाइलों की धूल झाड़ रही है। अमेरिकी मीडिया के खुलासे के बाद संघीय एजेंसी ने कहा कि जवाब खोजने के लिए ऊर्जा विभाग, युद्ध विभाग और स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर जांच की जा रही है।

सत्तारूढ़ रिपब्लिकन पार्टी के नेतृत्व वाली हाउस ओवरसाइट कमेटी ने अलग से जांच करने का फैसला लिया है। कमेटी का कहना है कि इन लोगों की पहुंच संवेदनशील वैज्ञानिक जानकारियों तक थी। नासा ने कहा कि मारे गए या गायब हो चुके वैज्ञानिकों के संबंध में संबंधित एजेंसियों के साथ जांच में समन्वय और सहयोग कर रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसे काफी गंभीर मामला बताया है। हाउस ओवरसाइट कमेटी के चेयरमैन जेम्स कोमर का मानना है हत्या, मौत या गायब होना महज इत्तेफाक नहीं हो सकता। कांग्रेस भी चिंतित है। इस कमेटी के सदस्य डेमोक्रेट जेम्स वॉकिनशॉ ने तो यहां तक कहा है कि इन मामलों के पीछे कोई सुनियोजित साजिश या मकसद छिपा है। एफबीआई ने 30 जुलाई, 2023 को 59 वर्ष की आयु में दुनिया को अलविदा कहने वाले नासा के वैज्ञानिक माइकल डेविड हिक्स की मौत को भी जांच के दायरे में लिया है। उन्होंने नासा की जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी (जेपीएल) में लगभग 25 साल तक काम किया था। अमेरिकन एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी के मुताबिक, लेबोरेटरी में करियर के दौरान उन्होंने धूमकेतुओं और क्षुद्रग्रहों पर विशेषज्ञता हासिल की थी। उनकी मौत की वजह का खुलासा नहीं किया गया। उनकी बेटी जूलिया हिक्स यह जानकर हैरत में है कि पिता की मौत पर रहस्य का पर्दा पड़ा है। एजेंसी ने फ्रैंक माइवाल्ड और मोनिका रेजा की मौत के कारणों को भी सामने लाने का फैसला किया है। कहते हैं कि इसके बाद के सालों में जेपीएल से जुड़े कई और लोग भी मारे गए या लापता हो गए। अंतरिक्ष अनुसंधान के विशेषज्ञ फ्रैंक माइवाल्ड की 2024 में लॉस एंजिल्स में 61 साल की आयु में मौत हो चुकी है। 60 साल की एयरोस्पेस इंजीनियर मोनिका रेजा जून 2025 में लॉस एंजिल्स के एक जंगल में हाइकिंग करते समय लापता हो गई हैं। हाउस ओवरसाइट कमेटी ने बताया कि रेजा नासा की जेपीएल के मटीरियल्स प्रोसेसिंग ग्रुप की डायरेक्टर थीं। एयर फोर्स के रिटायर्ड मेजर जनरल विलियम नील मैककैसलैंड (68) लापता हैं। उन्हें इसी साल 27 फरवरी को अल्बुकर्क (न्यू मैक्सिको) में अपने घर से बाहर निकलते हुए देखा गया था। वह अपना फोन, चश्मा और पहनने वाले डिवाइस घर पर ही छोड़ गए थे। मैककैसलैंड पेंटागन के कुछ सबसे उन्नत एयरोस्पेस शोध कार्यों के केंद्र में थे। उन्होंने एक समय राइट पैटर्सन एयर फोर्स बेस स्थित 'एयर फोर्स रिसर्च लैबोरेटरी' की कमान भी संभाली थी। एफबीआई के एजेंट उन्हें सारी दुनिया में तलाश रहे हैं। कहते हैं कि इस बेस पर कथित ₹रोसवेल घटना₹ से जुड़ा किसी बाहरी ग्रह का मलबा रखा है। उनकी पत्नी सुसान मैककैसलैंड विल्करसन ने फेसबुक पोस्ट में माना है कि यह सच है कि नील का यूएफओ समुदाय के साथ कुछ समय के लिए जुड़ाव रहा। यह जुड़ाव किसी के लिए नील को अगवा करने का कारण नहीं हो सकता। न्यू मेक्सिको के प्रमुख परमाणु अनुसंधान केंद्र लॉस एलामोस नेशनल लेबोरेटरी से जुड़े दो वैज्ञानिक मेलिसा कैसियस और एंथनी चावेज भी लापता हैं। न्यू मैक्सिको स्टेट पुलिस के अनुसार, 53 वर्षीय कैसियस को आखिरी बार जून 2025 में न्यू मैक्सिको के तालपा के पास एक हाईवे पर देखा गया था। वह अपना सामान घर पर ही छोड़ गई थीं और उनका फोन फैक्टरी-रीसेट किया हुआ था। इससे पहले मई में 78 वर्षीय चावेज लापता हो गए थे। वह इसी लेबोरेटरी में फोरमैन थे।

हाल के महीनों में कई जाने-माने वैज्ञानिकों की हत्या ने भी अटकलों को हवा दी है। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के प्रोफेसर नूनो एफ.जी. लोरेइरो की दिसंबर 2025 में बोस्टन के पास उनके घर पर एक बंदूकधारी ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। 47 वर्षीय भौतिक विज्ञानी और फ्यूजन वैज्ञानिक लोरेइरो संस्थान के प्लाज्मा साइंस एंड फ्यूजन सेंटर का नेतृत्व कर रहे थे। उनका उद्देश्य स्वच्छ ऊर्जा तकनीक और अन्य शोध कार्यों को आगे बढ़ाना था। खगोल भौतिक विज्ञानी कार्ल ग्रिलमेयर की इसी साल फरवरी में 67 साल की आयु में लॉस एंजिल्स के बाहर इलाके में उनके घर पर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वह कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में काम करते थे। नासा के साथ मिलकर काम करने वाले ग्रिलमेयर सौर मंडल के बाहर के ग्रहों पर पानी की खोज से जुड़े अपने अध्ययनों के लिए मशहूर रहे हैं। साल 2024 में अमेरिकी वायुसेना के पूर्व खुफिया अधिकारी 39 वर्षीय मैथ्यू जेम्स सुलिवन की मौत आज भी रहस्य बनी हुई है। उन्होंने यूएफओ से जुड़े एक संघीय व्हिसलब्लोअर मामले में गवाही देने से पहले आत्महत्या कर ली थी। इस बीच 2022 में हुई एमी एस्क्रिडेज की मौत ने लोगों का ध्यान खींचा है। 34 वर्षीय एस्क्रिडेज ने हंट्सविले (अलबामा) में इंस्टीट्यूट फॉर एग्जॉटिक साइंस की स्थापना की थी। राष्ट्रपति ट्रंप ने इन सभी घटनाओं पर से डेढ़ हफ्ते में पर्दा उठने की उम्मीद जताई है। व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने कहा कि सच को सामने लाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। एफबीआई डायरेक्टर काश पटेल का मानना है कि इन मामलों में विदेशी कनेक्शन की तलाश की जा रही है। काश ऐसा हो जाए।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

सृष्टि के संतुलन के लिए श्रीहरि का प्रकट होना

चा वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी को अपने प्रिय भक्त प्रह्लाद समेत सभी प्राणियों की रक्षा एवं धर्म की पुनः स्थापना हेतु भगवान श्रीहरि विष्णु ने नरसिंह रूप में अवतार लिया। नरसिंह अवतार भगवान विष्णु के प्रमुख अवतारों में एक है। नरसिंह जयंती को देश भर में ह्यभगवान नरसिंह प्रकटोत्सवह्न के रूप में मनाया जाता है। वहीं, दक्षिण भारत में वैष्णव संप्रदाय के लोग इनकी पूजा संकट के समय रक्षा करने वाले देवता के रूप में करते हैं।

जय-विजय को शाप

श्रीमद्भागवतपुराण के अनुसार सृष्टि के आरंभ में ब्रह्माजी ने अनेक लोकों की रचना करने की इच्छा से घोर तपस्या की थी। इससे प्रसन्न होकर भगवान श्रीहरि ने स्वयं ही सनकादि (सनक, सनन्दन, सनातन एवं सनत्कुमार नामक चार) मुनियों अथवा मुनि कुमारों के रूप में अवतार लिया था। यह उनका सर्वप्रथम अवतार माना जाता है। एक बार सनकादि मुनिगण भगवान के दर्शन करने हेतु जब वैकुंठ पधारे, तो जय-विजय ने उनकी हंसी उड़ाते हुए बेंत अड़ाकर उन्हें भीतर जाने से रोक लिया। इस अपमान से क्रोधित होकर उन्होंने जय-विजय को तीन जन्मों तक राक्षस योनी में जन्म लेने का शाप दे दिया। बाद में, भूल की अनुभूति होने पर जय-विजय ने सनकादि मुनियों से क्षमा मांगी। उसके बाद, सरल हृदय, शांतचि×त और आत्मस्थ सनकादि मुनियों ने समाधान निकालते हुए जय-विजय से कहा कि तीनों जन्मों में तुम्हारा उद्धार स्वयं भगवान श्रीविष्णु करेंगे। इस प्रकार, तीन जन्मों के बाद तुम्हें मोक्ष की प्राप्ति होगी।

हिरण्यकश्यप का तप

सनकादि मुनियों द्वारा शाप मिलने के कारण सत?युग में जय-विजय को पृथ्वी पर दक्ष प्रजापति की पुत्री दिति और ऋषि कश्यप के पुत्र बनकर जन्म लेना पड़ा। तब उनका नाम हिरण्याक्ष और हिरण्यकश्यप रखा गया। हिरण्याक्ष अत्यंत विशालकाय एवं हिंसक प्रवृत्ति का था। एक बार वह पृथ्वी का हरण कर संपूर्ण पृथ्वी वासियों पर तरह-तरह के अत्याचार करने लगा, जिसके बाद, पृथ्वी एवं धर्म की रक्षा हेतु भगवान श्रीहरि ने ह्यवाराहह्न का रूप धारण कर उसका वध किया। अपने भाई की मृत्यु से अत्यंत क्रोधित एवं प्रतिशोध की प्रचंड ज्वाला में धधकता हिरण्यकश्यप ने ब्रह्मदेव को प्रसन्न करने हेतु सहस्त्रों वर्षों तक कठोर तप किया, ताकि अजेय होने का वरदान प्राप्त कर वह भगवान श्रीहरि से प्रतिशोध ले सके।

स्वयं को भगवान घोषित

हिरण्यकश्यप भी हिरण्याक्ष की तरह ही भीमकाय होने के साथ-साथ अत्यंत क्रूर, अत्याचारी एवं हिंसक प्रवृत्ति का था। हालांकि, उसकी कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर ब्रह्मदेव ने उसे वरदान दिया कि उसकी हत्या न तो दिन में, न रात में, न धरती पर और न आकाश में, न अस्त्र से, न शस्त्र से, न मनुष्य और न ही किसी पशु अथवा देवता के द्वारा हो सकेगी। ब्रह्मदेव से अजेय होने का वरदान पाकर हिरण्यकश्यप अपनी प्रजा पर घोर अत्याचार करने लगा। धीरे-धीरे सब तरफ उसका आतंक व्याप्त हो गया। मानवता उसके भय से त्राहि-त्राहि करती और प्रकृति थर-थर कांपती थी। उसने स्वर्ग पर भी अपना आधिपत्य कर लिया और लोकपालों को हराकर स्वयं ही संपूर्ण लोकों का अधिपति बन बैठा। तत्पश्चात?, उसने स्वयं को संसार का भगवान घोषित कर दिया।

प्रह्लाद से मिली चुनौती

दैत्यों के राजा हिरण्यकश्यप की प्रचंड शक्ति और सामर्थ्य के आगे देवतागण लाचार और निरुपाय हो चुके थे, लेकिन अपने ही पुत्र प्रह्लाद से उसको जीवन की सबसे बड़ी चुनौती मिली। दरअसल, प्रह्लाद अपने पिता की आसुरी प्रवृत्ति के विपरीत बहुत बड़े भग्वद्भक्त थे। वे नित्य-प्रति आठों याम भगवान श्रीहरि विष्णु के नाम का जाप करते रहते।

नरसिंह अवतार

पुत्र प्रह्लाद द्वारा भगवान श्रीहरि विष्णु की भक्ति करने के कारण अत्यंत क्रोधित हिरण्यकश्यप ने पहले तो प्रह्लाद को समझाया, किंतु उन पर कोई प्रभाव न पड़ता देख उसने उनकी जान लेने की अनेक कोशिशें कीं।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

आंगनबाड़ी केंद्रों में विद्युत सुविधा उपलब्ध होने से बच्चों को बेहतर सेवाएं मिल सकेगी : उपायुक्त

संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त दीपक कुमार दुबे की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में आँगनबाड़ी केंद्रों के विद्युतीकरण को लेकर विद्युत विभाग के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले के सभी आँगनबाड़ी केंद्रों में विद्युत सुविधा सुनिश्चित करना तथा इस संबंध में प्रगति की समीक्षा करना था।बैठक के दौरान बताया गया कि पोषण ट्रैकर एप में उपलब्ध अद्यतन आंकड़ों के अनुसार जिले के कुल 413 आँगनबाड़ी केंद्र अब तक विद्युत सुविधा से वंचित हैं। इस पर गंभीरता व्यक्त करते हुए उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सभी बाल विकास परियोजना अधिकारियों सीडीपीओ को निर्देशित किया कि जिन आँगनबाड़ी केंद्रों में विद्युत सुविधा उपलब्ध हो चुकी है, उनकी जानकारी एक सप्ताह के भीतर पोषण ट्रैकर एप में अनिवार्य रूप से अपडेट करें ताकि वास्तविक स्थिति का सही आकलन किया जा सके।इसके अतिरिक्त उपायुक्त ने बाल विकास परियोजना अधिकारियों को विद्युत विभाग के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए शेष सभी आँगनबाड़ी केंद्रों का एक माह के भीतर विद्युतीकरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आँगनबाड़ी केंद्रों में विद्युत सुविधा उपलब्ध होने से बच्चों और महिलाओं को बेहतर सेवाएं मिल सकेंगी और पोषण संबंधी कार्यक्रमों के संचालन में भी सुधार आएगा। बैठक में परियोजना निदेशक आईटीडीए संजय कुमार दास विद्युत विभाग के अभियंता शंभू नाथ चौधरी विभिन्न बाल विकास परियोजना अधिकारी एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे। सभी अधिकारियों ने निर्धारित समयसीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

विकासात्मक कार्यों को समयबद्ध और गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराया जाए : उपायुक्त

साहिबगंज :उपायुक्त दीपक कुमार दुबे की अध्यक्षता में कार्यालय कक्ष में ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल अन्तर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं व कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।बैठक के दौरान कार्यपालक अभियंता द्वारा बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2025- 26 में कुल 09 पुल का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। वर्तमान में 18 ऐसे पुल है जिनका भौतिक कार्य 90% या उससे अधिक हो चुका है । उपायुक्त ने निर्देश दिए कि जिन योजनाओं का कार्य 90% तक पूर्ण कर लिया गया है उसे हर हाल में एक माह के भीतर पूर्ण कर लिया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि यह कार्य मानसून के पूर्व पूरा कर लिया जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि विकासात्मक कार्यों को समयबद्ध और गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराया जाए। उन्होंने कहा कि सभी योजनाओं का क्रियान्वयन पारदर्शिता त्वरित गति से सुनिश्चित किया जाए ताकि जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों का लाभ शीघ्र उपलब्ध हो सके।बैठक में कार्यपालक अभियंता ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल रामाकांत सहित संबंधित विभाग के सहायक अभियंता कनीय अभियंता उपस्थित थे।उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने प्रखंडों क्षेत्रों में प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग करें और किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न होने पर अविलंब सूचित करें, ताकि योजनाओं के क्रियान्वयन में देरी न हो।

परीक्षा पूर्णतः कदाचारमुक्त वातावरण में आयोजित की जाएगी : डॉ रंजीत

संवाददाता

साहिबगंजःझारखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय रांची द्वारा आयोजित डिप्लोमा प्रथम सेमेस्टर परीक्षा 2025 का शुभारंभ 27 अप्रैल को मॉडल कॉलेज राजमहल, साहिबगंज परीक्षा केंद्र पर हुआ।परीक्षा के प्रथम दिन विभिन्न शाखाओं के कुल 258 छात्र नामांकित थे जिनमें से 2 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।मॉडल कॉलेज राजमहल साहिबगंज के प्राचार्य सह केंद्राधीक्षक डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने परीक्षा से पूर्व सभी आवश्यक तैयारियों का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों और कर्मियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि परीक्षा पूर्णतः कदाचारमुक्त वातावरण में आयोजित की जाएगी। यदि कोई परीक्षार्थी नकल करते या मोबाइल फोन का उपयोग करते हुए पाया जाता है।तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने सभी परीक्षार्थियों से समय पर परीक्षा केंद्र पर उपस्थित होकर शांतिपूर्ण एवं अनुशासित वातावरण में परीक्षा देने की अपील की।परीक्षा पर्वेक्षक दिलीप कुमार पाल ने भी परीक्षा व्यवस्था का निरीक्षण कर संतोष व्यक्त किया।

बरहरवा आरपीएफ ने 03 नाबालिग लड़कियों का किया रेस्क्यू,बाल संरक्षण को किया सुपुर्द

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवाः बरहरवा आरपीएफ की टीम लगातार ह्यूमन ट्रैफिकिंग के खिलाफ जाँच अभियान जारी रखी है,और इस अभियान से एक के बाद एक मिलती सफलता के साथ साथ सैकड़ो नाबालिकों को सुरक्षित किया है।जो सराहनीय कदम है।इसी क्रम में बरहरवा आरपीएफ इंस्पेक्टर संजीव कुमार के नेतृत्व में,कांस्टेबल अनिल कुमार साह, हेड कांस्टेबल नवीन यादव एवं आराधना मंडल बाल मंथन संस्थान, बरहरवा के साथ बरहरवा रेलवे स्टेशन पर मानव तस्करी टीओपीबी व अन्य संबंधित अपराधों के विरुद्ध छापेमारी एवं सर्च अभियान चलाया गया।अभियान के दौरान प्लेटफॉर्म संख्या-1 स्थित पार्सल ऑफिस के पास 03 नाबालिग लड़कियां बिना किसी सामान के संदिग्ध अवस्था में इधर उधर घूमती दिखाई दी।पूछताछ करने पर उन्होंने अपनी उम्र-17, 15 और 14 साल बताया और बताया कि वे लोग थाना-बरहरवा,जिलाझसाहिबगंज झारखंड कि रहने वाली है।आगे की पूछताछ में उन्होंने बताया कि वे लोग समय 3:00 बजे घर में बिना किसी को बताए घर से निकली थी और बरहरवा रेलवे स्टेशन से दिल्ली जाने वाली थी जहां घरों में बच्चों की देखभाल घरेलू कार्य करने का कार्य करती।तीनों नाबालिक लड़कियों के अभिभावकों से फोन के माध्यम से संपर्क करने पर पता चला कि वे तीनों शाम 03:00 बजे से बिना सूचना के घर से गायब है और सभी ने अपना अपना मोबाइल फोन को स्विच ऑफ कर रखा है और वे लोग शाम से लड़कियों को खोज रहे है । तदोपरांत तीनों नाबालिग लड़कियों को आराधना मंडल बाल मंथन संस्थान के माध्यम से इंस्पेक्टर बरहरवा द्वारा अभिरक्षा में लेकर आगे की आवश्यक कानूनी कार्रवाई हेतु आरपीएफ पोस्ट बरहरवा लाया गया।तत्पश्चात, सभी आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूर्ण करने के उपरांत,तीनों नाबालिग लड़कियों को अग्रिम आवश्यक कार्रवाई हेतु बाल मंथन संस्थान बरहरवा की आराधना मंडल को सुपुर्द कर दिया गया।

बाबा श्याम का जयकारे लगाते हुए पूरे शहर में नारे गूंजते रहे

संवाददाता

साहिबगंजःमोहिनी एकादशी के उपलक्ष में श्री डाकीनाथ मंदिर से बाबा श्याम की निशान यात्रा निकलेगी गई।जो डाकीनाथ मंदिर से चौक बाजार ,महात्मा गांधी रोड, जे एन राय रोड ,बड़ी गादी होते हुए पुरुषोत्तम गली नगर भ्रमण करते हुए श्री खाटू श्याम मंदिर पहुँची।वही सभी श्रद्धालुओं में बड़ी ही उमंग देखा गया। और बाबा श्याम का जय कारे लगाते हुए पूरे शहर में नारे गूंजते रहे। मंदिर में सभी लोगों ने बाबा श्याम की आरती पूजन किया और प्रसाद ग्रहण किया इस अवसर पर श्याम भक्त मंडल के अध्यक्ष रवि भगत शंकर खंडेलवाल, पंडित सोनू पांडे, ज्योति अग्रवाल सोनी चौधरी ,पिंकी तंबाकू वाला ज्योति नसरिया आदि काफी संख्या में भक्तगण निशान लेकर मंदिर में पहुंचे।

जिला ओपन रैपिड शतरंज प्रतियोगिता में पियूष कुमार बने चैंपियन , ईस्टर्न रेलवे हाई स्कूल का नाम किया रौशन

संवाददाता

साहिबगंजःजिला स्थित ईस्टर्न रेलवे हाई स्कूल के कक्षा दस के छात्र पियूष कुमार ने जिला ओपन रैपिड शतरंज प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल कर विद्यालय एवं रेलवे मंडल का नाम गौरवान्वित किया है।मालदा मंडल रेल प्रबंधक मनीष कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में मंडल द्वारा शैक्षणिक खेल व सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों को निरंतर बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी कड़ी में पियूष कुमार के तहत आयोजित साहिबगंज जिला ओपन रैपिड शतरंज चैम्पियनशिप ए 2026 में उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया।यह प्रतियोगिता 25 अप्रैल 2026 को सेंट जेवियर्स स्कूल, कोटालपोखर बरहरवा में साहिबगंज जिला शतरंज संघ के तत्वावधान में आयोजित हुई थी। जूनियर बालक वर्ग में प्रतिस्पर्धा करते हुए पियूष ने अपनी बेहतरीन रणनीति और एकाग्रता का परिचय देते हुए चार राउंड में 3.5 अंक हासिल कर शीर्ष स्थान पर कब्जा जमाया।

पियूष की इस उपलब्धि पर मालदा मंडल ने उन्हें हार्दिक बधाई दी है। और उनके उज्ज्वल भविष्य और आगामी प्रतियोगिताओं में निरंतर सफलता की कामना की है।

गोवंश की स्थिति चिंताजनक है जिसमें तस्करी अवैध वध और सड़कों पर उनकी दुर्दशा प्रमुख समस्याएं हैं

संवाददाता

साहिबगंजःजिले के तालझारी प्रखंड मुख्यालय में 27 अप्रैल 2026 को गो सम्मान आह्वान अभियान के तहत एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अभियान में बड़ी संख्या में गोभक्तों, संत समाज व स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया।कार्यक्रम का उद्देश्य देशभर में देशी गोवंश वेदलक्षणा गोमाता की सेवा, सुरक्षा और राष्ट्रीय सम्मान सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार से केंद्रीय कानून बनाने तथा गो पालन मंत्रालय की स्थापना की मांग करना है।इस दौरान उपस्थित लोगों ने भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र दामोदरदास मोदी के नाम एक प्रार्थना पत्र पर हस्ताक्षर कर अपनी मांगों को रखा।प्रार्थना पत्र के माध्यम से बताया गया कि वर्तमान में गोवंश की स्थिति चिंताजनक है जिसमें तस्करी,अवैध वध और सड़कों पर उनकी दुर्दशा प्रमुख समस्याएं हैं।आयोजकों का कहना है कि गोवंश केवल आस्था का विषय नहीं,बल्कि भारतीय संस्कृति और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की आधारशिला भी है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में गो आधारित प्राकृतिक कृषि की महत्वपूर्ण भूमिका है।कार्यक्रम में लोगों से अपील की गई कि वे अधिक से अधिक संख्या में आगे आएं और इस अभियान से जुड़कर गोवंश के संरक्षण और सम्मान के लिए अपनी आवाज बुलंद करें।कार्यक्रम समापन के पश्चात उपस्थित सदस्यों के द्वारा सीओ सह बीडीओ राम सुमन प्रसाद को ज्ञापन सौंपा गया।मौके पर बजरंगी महतो,ओमल कुमार मंडल,शेखर कुमार महतो,श्रीराम महतो, मुन्ना पाण्डेय,अमित कुमार,अशोक कुमार डीके स्टार आदि उपस्थित थे।

अधिवक्ताओं ने मीरा कुमारी को पुष्प गुच्छ व फूल माला पहनाकर किया स्वागत

साहिबगंज :झारखंड स्टेट बार काउंसिल,रांची के नव निर्वाचित सदस्य मीरा कुमारी अधिवक्ता गिरिडीह सोमवार को औपचारिक रुप से जिलाअधिवक्ता संघ साहिबगंज के अधिवक्ताओं से मिलने पहुंची।इस मौके पर अधिवक्ताओं ने मीरा कुमारी को पुष्प गुच्छ व फूल माला पहनाकर भव्य स्वागत किया।इस दौरान मीरा कुमारी ने कहीं कि मैं अधिवक्ताओ के मान सम्मान एवं कल्याण के लिए स्टेट बर काउंसिल में मुद्दा उठाते रहूंगी।इस अवसर पर अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष ललित स्वदेशी सचिव विजय कर्ण उपाध्यक्ष गौतम प्रसाद सिंह कोषाध्यक्ष दिलीप झा,अधिवक्ता पन्नालाल,सुनील शर्मा,अजय पंडित,अमरेंद्र मोहंती,रूपेश पंडित,प्रेमचंद मरांडी सहित दर्जनों अधिवक्तागण का उपस्थित थे।

न्यूज IN ब्रीफ

गोली मारकर युवक को किया घायल,आरोपी फरार

साहिबगंजः जिरवाबड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत अंबाडिया पंचायत के पोलमा गांव में अज्ञात अपराधियों ने एक युवक को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल की पहचान स्वर्गीय नाबू बेसरा के 26 वर्षीय पुत्र अनिल बेसरा के रूप में हुई है ।प्राप्त जानकारी के अनुसार अनिल बेसरा किसी काम से बाहर गया था और झोला लेकर घर लौट रहा था इसी दौरान पहले से घात लगाए तीन-चार अज्ञात युवकों ने उसके पीछे से गोली चला दी घटना में अनिल बेसरा की पीठ में दो गोली लगने की बात सामने आई है। जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़ा हमलावर उसके कुछ सामान लेकर मौके से फरार हो गए।घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टर मोहन मुर्मू द्वारा उसका उपचार किया गया इस संबंध में सब इंस्पेक्टर अजीत लकड़ा ने बताया कि पोलमा निवासी अनिल बेसरा को गोली मारने के मामले में पुलिस जांच कर रही है और आरोपियों की तलाश जारी है।

श्राद्ध कर्म में शामिल होने पैरोल पर आया हत्या का आरोपी

साहिबगंजःहत्या कांड संख्या 165/25 के आरोपी नीतीश यादव को कोर्ट के आदेश पर एक दिन की पैरोल पर रिहा किया गया। जानकारी के अनुसार, उसकी मां के निधन के बाद उसे केवल श्राद्ध कर्म में शामिल होने की अनुमति सोमवार को न्यायालय द्वारा दी गई थी।बताया जाता है। कि नीतीश यादव को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच संबंधित स्थल तक ले जाया गया जहां उसने श्राद्ध कर्म में भाग लिया। इस दौरान पुलिस की निगरानी लगातार बनी रही और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।इस संबंध में थाना प्रभारी शशि सिंह ने बताया कि हत्या मामले में जेल में बंद आरोपी को उसकी माता के निधन पर कोर्ट के निदेर्शानुसार एक दिन की पैरोल दी गई थी, ताकि वह श्राद्ध कर्म में शामिल हो सके।कार्यक्रम समाप्त होने के बाद शाम होते ही आरोपी को पुनः मंडल कारा भेज दिया गया ।

महिला के साथ छेड़छाड़ का आरोप, पुलिस से न्याय की गुहार

साहिबगंज ःनगर थाना क्षेत्र की एक महिला ने घर में घुसकर छेड़छाड़ किए जाने का आरोप लगाते हुए थाना प्रभारी को आवेदन सौंपकर न्याय की गुहार लगाई है पीड़िता ने अपने आवेदन में बताया कि वह शाम के समय घर में अकेली थी तभी अली कुरैशी उर्फ अली गुड्डू उसके घर में घुस कर छेड़खानी करने का प्रयास किया ।महिला के अनुसार, उसके शोर मचाने पर उसकी मां पहुंची इस दौरान आरोपी ने दोनों के साथ गाली-गलौज की और धमकी भी दिया पीड़िता ने पुलिस से मामले में उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।वहीं इस संबंध में अली कुरैशी उर्फ अली गुड्डू ने अपने ऊपर लगाए गए आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए इसे पारिवारिक विवाद से जुड़ा मामला बताया है।

तत्काल रेल कर्मियों के द्वारा वैकल्पिक रेल गेट लगाकर ट्रेनों का अवागमन चालू हो पाया

साहिबगंज/मंडरोःमिजाचौकी रेलवे गेट में सोमवार को एक पावर ट्रेक्टर ने तेज गति से आकर मिजाचौकी रेल गेट में धक्का मार दिया जिससे रेल गेट पुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया।स्थानीय कुछ दुकानदारों एवं ग्रामीणों के अनुसार जब डाउन जयनगर हावड़ा एक्सप्रेस ट्रेन आ रही थी ।उस समय रेलवे गेट बंद था उसी समय ट्रेक्टर ने आकर रेलवे गेट में जोरदार धक्का मार दिया।हालांकि इस घटना में किसी प्रकार का नुकसान नहीं हुआ है।लेकिन गुवाहाटी नई दिल्ली एक्सप्रेस,अप धुलियान पैसेंजर काफी देर तक मिजाचौकी रेलवे स्टेशन पर खड़ी रही और डाउन वर्धमान पैसेंजर भी लेट से मिजाचौकी आई।घटना की सूचना पर मिजाचौकी में तैनात आरपीएफ जवान पी,एन उपाध्याय राजकुमार रंजीत कुमार व राहुल कुमार घटनास्थल पर पहुंचकर उक्त ट्रैक्टर को अपने कब्जे में ले लिया है।तत्काल रेल कमीर्यों के द्वारा वैकल्पिक रेल गेट लगाकर ट्रेनों का अवागमन चालू हो पाया।घटना के संबंध में स्थानीय लोगों ने बताया कि रेलवे गेट के उचित देखभाल नहीं होने के कारण अक्सर ऐसी घटनाएं होती रहती है जिससे कभी भी भीषण हादसा हो सकते हैं।

सड़क हादसे में दंपती की मौत, बच्चा गंभीर

धनबाद : धनबाद के बरवाअड्डा थाना क्षेत्र में सोमवार की रात एक सड़क हादसे में दंपती की मौत हो गई, जबकि उनका बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना जीटी रोड काशीटांड़ के पास की है, जहां एक अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। बताया जा रहा है कि बाइक संख्या (जेएच 10 सीआर 3134) पर सवार एक दंपती और उनका बच्चा गोविंदपुर से बरवाअड्डा की ओर जा रहे थे। इसी दौरान काशीटांड़ के पास एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से बरवाअड्डा पुलिस ने सभी घायलों को तुरंत एसएनएमएमसीएच धनबाद पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने दंपती को मृत घोषित कर दिया, जबकि बच्चे की हालत अब भी नाजुक बनी हुई है।

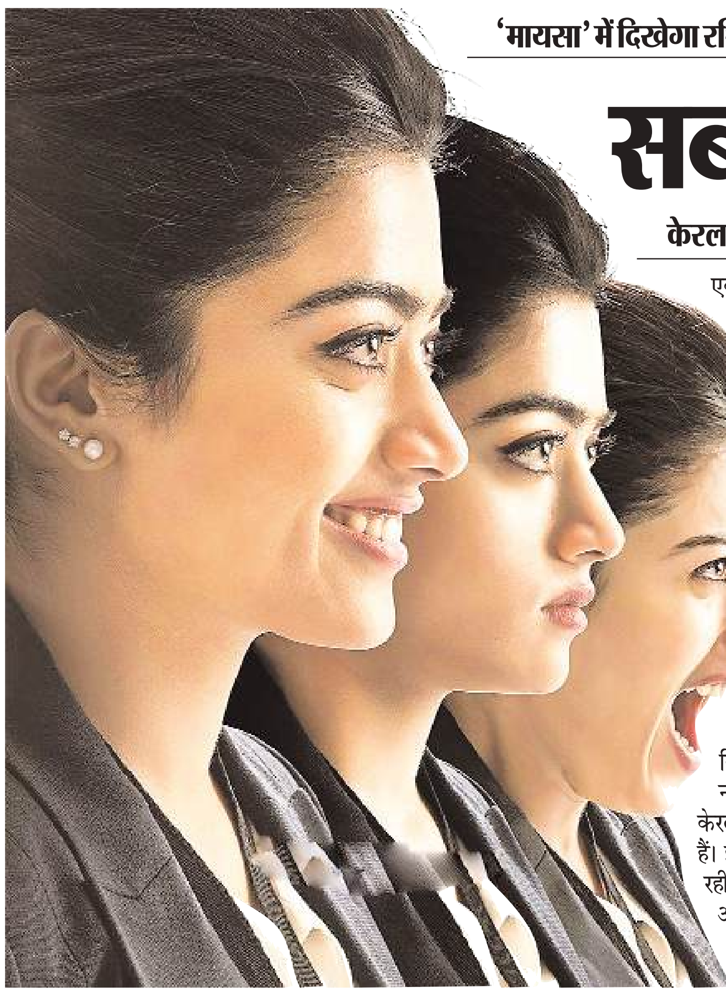

'मायसा' में दिखेगा रश्मिका का

सबसे इंटेंस रूप

केरल में शूट हो रहे हाई-वोल्टेज एक्शन सीन्स

एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना अपनी आने वाली फिल्म 'मायसा' की शूटिंग में लगी हुई हैं। हाल ही में मेकर्स ने इससे जुड़ा एक और वीडियो शेयर किया, जिसके बाद फैंस में और एक्साइटमेंट बढ़ गई है। कुछ दिनों पहले रश्मिका मंदाना के 30वें जन्मदिन पर मेकर्स ने 'मायसा' का नया पोस्टर लॉन्च किया था, जिसमें एक्ट्रेस काफी रॉ और दमदार लुक में नजर आ रहीं थीं। अब इसके बाद आज फिर से उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें शूटिंग की झलकियां देखने को मिली। अब इस वीडियो के बाद फैंस में और एक्साइटमेंट बढ़ गई है।

मेकर्स ने शेयर किया वीडियो

हाल ही में अनफॉर्मुला फिल्म्स ने 'मायसा' की शूटिंग की झलकियां अपने इंस्टाग्राम पेज पर शेयर की। इस वीडियो में थाईलैंड की जानी-मानी प्रोफेशनल स्टंट टीम जायका स्टंट्स टीम दिखाई दी, जो इस फिल्म के एक्शन सीन तैयार करती नजर आई। वीडियो के कैप्शन में उन्होंने लिखा कि वे केरल में 15 दिन का हाई पॉवर एक्शन सीन शूट कर रहे हैं। इन सीन्स की कोरियोग्राफी जायका स्टंट्स की टीम कर रही है। उन्होंने आगे लिखा कि इस फिल्म में रश्मिका का अब तक का सबसे एक्सप्लोसिव और इंटेंस अवतार देखने को मिलेगा, जो स्क्रीन पर आग लगा देगा।

फिर से आ रहा 'बल्लू बलराम'-सुभाष घई बोले

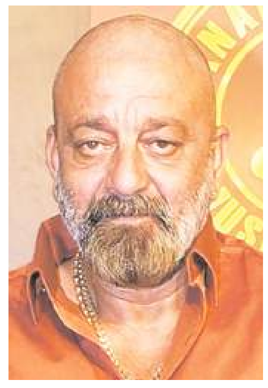

संजय फिर से साबित कर देंगे

अभिनेता संजय दत्त एक बार फिर अपने खलनायक अंदाज में नजर आने वाले हैं। साल 1993 की सुपरहिट फिल्म 'खलनायक' का एंटी-हीरो किरदार 'बल्लू बलराम' अब नए रूप में बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रहा है। फिल्म की घोषणा के बाद फिल्म निर्माता-निर्देशक सुभाष घई ने संजय दत्त के नए किरदार का पोस्टर शेयर करते हुए खुशी जताई है। सुभाष घई ने मुक्ता आर्ट्स लिमिटेड की ओर से लिखा, 'हम सभी यह देखकर बहुत खुश हैं कि हमारे प्यारे संजू 'खलनायक रिटर्न्स' के साथ वापस आ गए हैं। शुक्रवार को मीडिया को इसका एक जबरदस्त टीजर दिखाया गया, जिसे सबने खूब सराहा।' उन्होंने आगे कहा कि बल्लू बलराम जैसे आइकॉनिक किरदार को दोबारा निभाना संजय दत्त के लिए बड़ी चुनौती है। उन्होंने पूरा भरोसा जताया कि संजय इस बार भी अपने अभिनय से सभी को प्रभावित कर देंगे। घई ने संजय दत्त और पूरी टीम के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं।

अमीषा पटेल का बड़ा खुलासा

पूर्व प्रधानमंत्री ने करवाई थी पैरेंट्स की शादी

बॉलीवुड एक्ट्रेस अमीषा पटेल ने हाल ही में एक बड़ा खुलासा किया, जिसने सबको चौंका दिया। उन्होंने बताया कि उनके माता-पिता की शादी भारत के इस पूर्व प्रधानमंत्री के शेड्यूल के हिसाब से हुई थी। बॉलीवुड एक्ट्रेस अमीषा पटेल बीते कुछ दिनों से अपने बयानों के चलते सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू में बड़ा खुलासा किया और बताया कि उनके माता-पिता की शादी में भारत के एक पूर्व प्रधानमंत्री का बड़ा हाथ था। साथ ही उनके साथ अपने परिवार के जुड़ाव के बारे में खुलकर बात की। अमीषा पटेल ने हाल ही में बातचीत में अपने परिवार और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के साथ खास रिश्ते को लेकर बड़ा खुलासा किया है। अमीषा ने बताया कि जब उनका जन्म हुआ था, तो उन्हें देखने अस्पताल आने वाली पहली शख्सियत इंदिरा गांधी थीं। उन्होंने कहा, 'जब मैं ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में पैदा हुई थी, तो सबसे पहले मुझे देखने इंदिरा गांधी आई थीं।' अमीषा ने यह भी साफ किया कि यह रिश्ता यूं ही नहीं था, बल्कि उनके परिवार का राजनीति से गहरा जुड़ाव रहा है।

माता-पिता की शादी भी इंदिरा गांधी ने की तय

अमीषा ने एक और चौंकाने वाली बात बताई कि उनके माता-पिता की शादी की तारीख भी इंदिरा गांधी ने ही तय की थी। उन्होंने कहा, 'मेरे पैरेंट्स की कुंडली मैच नहीं हुई थी, तो इंदिरा गांधी से पूछा गया कि वो कब फ्री हैं। उनके शेड्यूल के हिसाब से ही मेरे माता-पिता की शादी की तारीख फाइनल हुई।'

दादाजी का राजनीति में बड़ा नाम

अमीषा ने अपने दादाजी रजनी पटेल के बारे में भी विस्तार से बात की। उन्होंने बताया, 'मेरे दादाजी बैरिस्टर राजनी पटेल बहुत बड़े वकील थे। बाद में वो राजनीति में आए। बचपन से ही जवाहरलाल नेहरू उनके मेंटर थे। राजनीति में आने के बाद उन्होंने पहले कम्युनिस्ट पार्टी जॉइन की और फिर कांग्रेस में आ गए। कांग्रेस के समय वो इंदिरा गांधी के सबसे करीबी सहयोगी थे और उनके चीफ एडवाइजर भी थे। अमीषा ने आगे कहा कि उनके दादाजी कांग्रेस के ट्रेजरर और प्रेसिडेंट भी रह चुके थे। उन्होंने कहा, 'इंदिरा गांधी कोई भी बड़ा फैसला लेने से पहले मेरे दादाजी से सलाह जरूर लेती थीं।

वो किस सीन

जिसके लिए ऐश्वर्या राय को मिले कानूनी नोटिस!

ऐश्वर्या राय बॉलीवुड की वो एक्ट्रेस हैं, जो भले ही फ़िल्में ना कर रही हों, लेकिन हमेशा ट्रेंड में बनी रहती हैं। कुछ समय पहले उनका एक इंटरव्यू वायरल हुआ था, जिसमें उन्होंने अपने विवादित Kiss Scene पर बात की थी, जिसके लिए उन्हें कानूनी तक नोटिस मिले थे।

बॉलीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय का साल 2012 का एक इंटरव्यू अक्सर चर्चा में आ जाता है। यह इंटरव्यू उन्होंने डेली मेल को दिया था, जिसमें उन्होंने अपने करियर के सबसे विवादित Kiss सीन को लेकर खुलकर बात की थी। इंटरव्यू में ऐश्वर्या ने साफ कहा था कि वे Kiss सीन करने में सहज नहीं थीं। उन्होंने बताया कि इसी वजह से उन्होंने कई फिल्मों के ऑफर ठुकरा दिए थे। उनके लिए ऑन-स्क्रीन इंटीमेट सीन करना हमेशा एक कठिन फैसला रहा।

Dhoom 2 बना सबसे बड़ा विवाद

जब ऐश्वर्या ने 'धूम 2' में ऋतिक रोशन के साथ चद्बह्यह्य सीन किया तो यह बड़ा मुद्दा बन गया। ऐश्वर्या ने बताया, 'जब मैंने 'धूम 2' में ऐसा किया तो यह टॉपिकल इश्यू बन गया। आपको ह ै र त होगी, लेकिन मुझे देश भर से कई लोगों के कानूनी नोटिस मिले थे। '

ऐश्वर्या राय के फैन्स का गुस्सा, कहा- आप आइकॉनिक हैं

ऐश्वर्या ने बताया कि नोटिस में लिखा था, 'आप आइकॉनिक हो। हम अपनी लड़कियों को आपका उदाहरण देते हैं। आपने अपनी जिंदगी अनुकरणीय तरीके से जी है। आप स्क्रीन पर यह करने में सहज नहीं हैं तो आपने ऐसा क्यों किया?' यह रिएक्शन उनके लिए बेहद चौंकाने वाला था।

इंडियन कल्चर Vs सिनेमा पर ऐश्वर्या राय का नज़रिया

ऐश्वर्या राय ने कहा था, 'मैं तो बस एक एक्टर हूं, जो अपना काम कर रही है... लेकिन सार्वजनिक रूप से प्यार जताना आज भी इंडियन कल्चर में उतना कॉमन नहीं है।' उन्होंने यह भी जोड़ा कि बॉलीवुड में गानों की वही भूमिका है, जो वेस्टर्न फिल्मों में चद्बह्यह्य सीन की है।

ऐश्वर्या राय की फिल्म 'धूम 2' के बारे में

फिल्म 'धूम 2'को यश राज फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया था और संजय गढ़वी ने इसे डायरेक्ट किया था। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही। भारत में फिल्म ने 81.01 करोड़ और दुनियाभर में 149.08 करोड़ का कलेक्शन किया था।

वत्सल सेठ ने एआई की मदद से लिखी अजय देवगन की फिल्म 'हैप्पी बर्थडे जोशी' की स्क्रिप्ट

जिसे एक रूपक के रूप में इस्तेमाल किया गया है। वत्सल सेठ ने स्पष्ट किया कि उन्होंने फिल्म बनाने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल केवल एक टूल के रूप में किया है, न कि कहानी कहने वाले के रूप में। 'हैप्पी बर्थडे जोशी' एक ड्रामा फिल्म है, जो आधुनिक तकनीक और मानवीय भावनाओं के बीच के रिश्ते को खास अंदाज में पेश करती है। वत्सल सेठ का कहना है कि एआई का सही और संतुलित इस्तेमाल कहानी को और बेहतर बना सकता है, लेकिन असली कहानीकार हमेशा इंसान ही रहना चाहिए। वत्सल ने कहा, 'हम एआई से सिर्फ इसलिए कुछ नहीं बना रहे क्योंकि यह शानदार विजुअल्स दे सकता है। हम इसका इस्तेमाल एक स्मार्ट और मददगार टूल की तरह करते हैं, ताकि और भी ज्यादा अर्थपूर्ण और गहरी कहानियों को जीवंत किया जा सके। उन्होंने बताया कि एआई की मदद से वह उन कहानी कहने की संभावनाओं को खोज रहे हैं, जो पहले बजट की कमी के कारण सीमित रह जाती थीं। वत्सल का कहना है कि एआई हमें बिना किसी समझौते के बड़ी और ज्यादा प्रभावशाली कहानियां बनाने में मदद करता है। वे जोर देकर कहते हैं कि एआई क्वालिटी या भावनात्मक गहराई से कभी समझौता नहीं करता, बल्कि कहानी को और मजबूत बनाता है। फिल्म 'हैप्पी बर्थडे जोशी' सच्ची घटनाओं से प्रेरित है।

न्यूजीलैंड क्रिकेट को मिला नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी, पूर्व तेज गेंदबाज ज्योफ अलॉट संभालेंगे जिम्मेदारी

वेलिंगटन : न्यूजीलैंड क्रिकेट ने पूर्व अंतरराष्ट्रीय तेज गेंदबाज ज्योफ अलॉट को अपना नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया है। यह नियुक्ति पिछले वर्ष स्कॉट वीनिंक के इस्तीफे के बाद की गई है। 54 वर्षीय अलॉट ने 1996 से 2000 के बीच न्यूजीलैंड के लिए 10 टेस्ट और 31 एकदिवसीय मैच खेले। उनका सबसे यादगार प्रदर्शन 1999 के एकदिवसीय विश्व कप में रहा, जहां उन्होंने 9 मैचों में 20 विकेट लेकर प्रतियोगिता में संयुक्त रूप से सर्वाधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने यह उपलब्धि ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज गेंदबाज शेन वॉर्न के साथ हासिल की, हालांकि अलॉट ने एक मैच कम खेला था। खेल करियर समाप्त होने के बाद अलॉट ने क्रिकेट प्रशासन में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। वह 2002 में न्यूजीलैंड क्रिकेट खिलाड़ी संघ के संस्थापक सदस्य रहे। इसके बाद 2008 से 2010 तक उन्होंने न्यूजीलैंड क्रिकेट में क्रिकेट महाप्रबंधक के रूप में कार्य किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने कैंटरबरी क्रिकेट के बोर्ड में तीन वर्षों तक सेवा दी और 2013 से 2021 तक न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड में निदेशक के रूप में आठ वर्षों का कार्यकाल पूरा किया। उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए वर्ष 2022 में उन्हें आजीवन सदस्यता से सम्मानित किया गया। अलॉट को यह जिम्मेदारी ऐसे समय में सौंपी गई है जब न्यूजीलैंड क्रिकेट आंतरिक मतभेदों के दौर से गुजर रहा है।

आईपीएल 2026: भुवनेश्वर बने पर्पल कैप के नए लीडर, कोहली ऑरेंज कैप रेस में चौथे स्थान पर पहुंचे

एजेंसी

नई दिल्ली : दिल्ली में खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को महज 75 रनों पर समेटते हुए एकतरफा जीत दर्ज की। इस मैच के बाद पर्पल कैप और ऑरेंज कैप की रेस में बड़ा बदलाव देखने को मिला।

भुवनेश्वर ने संभाली पर्पल कैप की कमान

आरसीबी के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 ओवर में सिर्फ 5 रन देकर 3 विकेट झटके। खास बात यह रही कि उनके तीनों विकेट पावरप्ले में आए। इस प्रदर्शन के दम पर भुवनेश्वर अब पर्पल कैप की रेस में शीर्ष पर पहुंच गए हैं। उनके कुल 14 विकेट हैं और 16.85 का औसत उन्हें अंशुल कंबोज (16.92) और ईशान मलिंगा (18.21) से आगे ले जाता है। वहीं, आरसीबी के ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या ने एक विकेट लेकर टॉप-10 में एंट्री कर ली है। उनके अब 9 विकेट हैं, जो कार्तिक त्यागी, जेमी ओवरटन और वैभव अरोड़ा के बराबर हैं, लेकिन बेहतर औसत (26.55) के कारण वह उनसे आगे हैं। तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने भी घातक गेंदबाजी करते हुए 3.3 ओवर में 12 रन देकर 4 विकेट लिए। उन्होंने पावरप्ले में तीन विकेट लेकर दिल्ली को 13/6 के रिकॉर्ड न्यूनतम स्कोर पर पहुंचा दिया। अब उनके कुल 8 विकेट हो गए हैं और वह विकेट लेने वालों की सूची में 14वें स्थान पर हैं।

ऑरेंज कैप रेस में कोहली की छलांग

आरसीबी के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने इस मैच में नाबाद 23 रन बनाए और इसी के साथ आईपीएल में अपने 9000 रन पूरे कर लिए। इस पारी के बाद कोहली ऑरेंज कैप की रेस में चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनके अब 351 रन हैं और उनका औसत 58.50 का है। कोहली से आगे वैभव सूर्यवंशी हैं, जिनके 357 रन हैं, जबकि केएल राहुल 358 रन के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। राहुल ने इस मैच में 1 रन बनाया, लेकिन इतना भी उन्हें एक स्थान ऊपर ले जाने के लिए काफी रहा। ऑरेंज कैप की रेस में शीर्ष पर सनराइजर्स हैदराबाद के ओपनर अभिषेक शर्मा बने हुए हैं, जिनके नाम 380 रन हैं और उनका औसत 54.28 का है।

मैड्रिड ओपन 2026: राइबाकिना टूनार्मेंट से बाहर, ज्वेरेव ने प्री-क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

मैड्रिड : मैड्रिड ओपन 2026 में बड़ा उलटफेर देखने को मिला, जहां ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन एलेना राइबाकिना को चौथे दौर में हार का सामना करना पड़ा। वहीं, पुरुष वर्ग में जर्मनी के स्टार खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अगले दौर में जगह बना ली।

राइबाकिना को पोटापोवा ने चौंकाया

विश्व नंबर-2 कजाखस्तान की एलेना राइबाकिना को 56वीं रैंकिंग की अनास्तासिया पोटापोवा ने 7-6 (10-8), 6-4 से हराकर टूनार्मेंट से बाहर कर दिया। पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों ने दो-दो बार सर्विस ब्रेक किया, जिसके बाद टाई-ब्रेक में पोटापोवा ने बाजी मारी। दूसरे सेट में राइबाकिना ने बढ़त जरूर बनाई, लेकिन पोटापोवा ने वापसी करते हुए आठवें और दसवें गेम में ब्रेक हासिल कर मैच अपने नाम कर लिया। जीत के बाद पोटापोवा ने कहा कि यह मुकाबला उनके लिए बेहद कठिन था और टीम के सहयोग से वह जीत हासिल कर सकीं।

ज्वेरेव का दमदार प्रदर्शन

पुरुष एकल वर्ग में दूसरी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने फ्रांस के टेरेंस एटमेन को सीधे सेटों में 6-3, 7-6 (7-2) से हराकर चौथे दौर में प्रवेश किया। ज्वेरेव ने पहले सेट में दो बार सर्विस ब्रेक कर बढ़त बनाई, जबकि दूसरे सेट में कड़ा मुकाबला देखने को मिला, जिसे उन्होंने टाई-ब्रेक में जीत लिया।

ब्लॉक्स का बड़ा उलटफेर

इसके अलावा बेल्जियम के युवा खिलाड़ी अलेक्जेंडर ब्लॉक्स ने बड़ा उलटफेर करते हुए दुनिया के नंबर-5 कनाडाई खिलाड़ी फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे को 7-6 (7-3), 6-3 से हराया। यह ब्लॉक्स की शीर्ष-10 खिलाड़ी के खिलाफ पहली जीत है।

ब्लॉक्स ने मैच के बाद कहा कि उन्हें अपने खेल पर पूरा भरोसा था और उन्होंने बिना दबाव के शानदार प्रदर्शन किया।

उबर कप फाइनल्स: भारत को चीन से 0-5 की करारी हार, टूनार्मेंट से बाहर

एजेंसी

नई दिल्ली : डेनमार्क के हॉर्सेंस में खेले जा रहे उबर कप फाइनल्स में भारतीय महिला बैडमिंटन टीम का अभियान चीन के खिलाफ 0-5 की हार के साथ समाप्त हो गया। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने मजबूत स्थिति के बावजूद मैच गंवा दिया, जिससे भारत के लिए वापसी के रास्ते बंद हो गए।

भारतीय टीम ने अपने अभियान की शुरूआत मेजबान डेनमार्क से 2-3 की हार के साथ की थी, लेकिन इसके बाद यूक्रेन को 4-1 से हराकर उम्मीदें जगाई थीं। हालांकि, 16 बार की चैंपियन चीन के खिलाफ टीम को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा।

सिंधु की हार से टूटा भारत का मनोबल

पहले एकल मुकाबले में पीवी सिंधु ने दुनिया की नंबर-2 खिलाड़ी वांग झी यी के खिलाफ शानदार शुरूआत की। निर्णायक गेम में 18-12 की बढ़त लेने के बावजूद सिंधु मैच को अपने नाम नहीं कर सकीं और 16-21, 21-19, 19-21 से हार गईं। इस हार से चीन ने 1-0 की बढ़त बना ली।

युगल और अन्य एकल मुकाबलों में भी निराशा

पहले युगल मुकाबले में प्रिया कोंजेंगबाम और श्रुति मिश्रा की जोड़ी को विश्व नंबर-1 लियू शेंग शू और तान निंग के खिलाफ 11-21, 8-21 से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद दूसरे एकल में इशारानी बरुआह ने टोक्यो ओलंपिक चैंपियन चेन यूफेई को कड़ी टक्कर दी, लेकिन महत्वपूर्ण मौकों पर चूक के कारण 22-20, 21-13 से हार गईं, जिससे चीन ने 3-0 की अजेय बढ़त बना ली। दूसरे युगल में ट्रीसा जॉली और काविप्रिया सेल्वम ने संघर्ष जरूर किया, लेकिन लुओ शू मिन और झांग शू शियान की जोड़ी के खिलाफ 10-21, 21-12, 19-21 से हार गईं।

तीसरे एकल में देविका सिहाग ने अच्छी शुरूआत की, लेकिन लय बरकरार नहीं रख सकीं और शू वेन जिंग के खिलाफ 21-19, 17-21, 10-21 से हार गईं।

थॉमस कप में पुरुष टीम से उम्मीदें

अब सभी की नजरें भारतीय पुरुष टीम पर होंगी, जो बुधवार को थॉमस कप में चीन से भिड़ेगी। भारत, जो 2022 का चैंपियन है, ने ग्रुप ए मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 5-0 से हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। भारत और चीन दोनों ग्रुप में शीर्ष स्थान पर हैं और बुधवार को होने वाला मुकाबला ग्रुप विजेता का फैसला करेगा।

झांसी के रानीपुर में फिर से जमाएगा वस्त्र उद्योग, योगी सरकार ने क्लस्टर गठन को दी मंजूरी

योजना में 3.99 करोड़ खर्च कर अत्याधुनिक सुविधाओं की होगी स्थापना, स्थानीय बुनकरों को मिलेगी मदद

एजेंसी

झांसी : उत्तर प्रदेश सरकार झांसी के रानीपुर के कपड़ा उद्योग को पुनर्जीवित करने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रही है। एक जिला एक उत्पाद की राज्य स्तरीय स्टीयरिंग कमेटी ने रानीपुर में वस्त्र उद्योग के लिए क्लस्टर गठन को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। यहां क्लस्टर गठन के साथ ही कॉमन फैसिलिटी सेंटर स्थापित किया जाएगा और इसमें स्पेशल पर्पज व्हीकल तैयार होगा। इस काम पर 3.99 करोड़ रुपये खर्च होंगे। एक जिला एक उत्पाद में शामिल झांसी के वस्त्र उद्योग को विकसित करने को लेकर कुछ समय पहले प्रयास शुरू किए गए थे। इस प्रयास के अंतर्गत स्थानीय स्तर पर एक डायग्नोस्टिक स्टडी रिपोर्ट तैयार की गई थी। बुनकरों से बातचीत कर यह जानने की कोशिश हुई थी कि किन समस्याओं के कारण और किन सुविधाओं की कमी से इस काम में दिक्कतें आनी शुरू हुईं। यह रिपोर्ट एक एक्सपर्ट संस्था ने विभिन्न स्टेकहोल्डर्स से बातचीत और बेसलाइन सर्वे कर तैयार की थी। रानीपुर, मऊरानीपुर, उल्दन और आसपास के क्षेत्रों में किसी समय में बुनकरों की बड़ी संख्या

हुआ करती थी, लेकिन सुविधाओं, संसाधनों और तकनीक के अभाव में धीरे धीरे ज्यादातर लोग इस काम को छोड़ते चले गए।अब झांसी के रानीपुर में क्लस्टर गठन को मंजूरी मिलने के बाद रानीपुर क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग के निकट एक गांव में जमीन का चयन किया गया है। स्पेशल पर्पज व्हीकल के लिए 21 बुनकरों का एक समूह चयनित किया गया है। यह समूह एक कंपनी बनाएगी। यह कंपनी रजिस्टर्ड होगी। डीपीआर तैयार करने के बाद यहां भवन निर्माण शुरू होगा। इसके बाद यहां कैलेंडरिंग प्लांट, शटललेस लूम, डाइंग यूनिट, ड्राइंग यूनिट, शोकेस, रॉ मैटेरियल बैंक और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। आसपास के क्षेत्रों के बुनकर निर्धारित दरों पर यहां उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे। झांसी के उपायुक्त उद्योग मनीष चौधरी ने बताया कि झांसी के वस्त्र उद्योग को एक जिला एक उत्पाद में शामिल करने के बाद यहां के वस्त्र उद्योग को फिर से गति देने की प्रक्रिया शुरू हुई है। इसी कड़ी में रानीपुर में कामन फैसिलिटी सेंटर की स्थापना को लेकर डायग्नोस्टिक स्टडी रिपोर्ट तैयार की गई थी। इस प्रस्ताव को मंजूरी मिल गई है और अब रानीपुर में स्पेशल पर्पज व्हीकल के माध्यम से एक कंपनी का गठन कर यहां कॉमन फैसिलिटी सेंटर तैयार होगा। यहां वस्त्र उद्योग से जुड़ी अत्याधुनिक सुविधाएं बुनकरों को उपलब्ध कराई जाएंगी।

हिमाचल में बदला मौसम, तेज हवाओं और बारिश से गर्मी से राहत, 4 मई तक अलर्ट जारी

एजेंसी

शिमला : भीषण गर्मी से जूझ रहे हिमाचल प्रदेश में मौसम ने अचानक करवट ले ली है। पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के कारण राज्य के कई हिस्सों में बादल छा गए हैं और हल्की से मध्यम बारिश के साथ तेज हवाएं चल रही हैं। शिमला सहित कई इलाकों में तापमान में गिरावट दर्ज की गई है, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली है। सुबह से ही आसमान में घने बादल बने रहे और कई जगहों पर बूंदाबांदी देखने को मिली। शिमला, मनाली, हमीरपुर और ऊना में तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश दर्ज की गई, जिससे मौसम सुहावना हो गया है। पिछले कुछ दिनों से प्रदेश के मैदानी और निचले क्षेत्रों में गर्मी अपने चरम पर थी। ऊना में अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था, जिससे लू जैसे हालात बन गए थे। लोगों को

राहत के लिए बारिश का इंतजार था, जो अब पूरा होता नजर आ रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में भी प्रदेश में मौसम ऐसा ही बना रहेगा और तापमान में और गिरावट संभव है। मौसम विभाग ने आज के लिए आंधी, बिजली गिरने और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं का येलो अलर्ट जारी किया है। 29 अप्रैल को कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और शिमला जिलों में ओरेंज अलर्ट रहेगा, जहां 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की तेज हवाएं और ओलावृष्टि की संभावना जताई गई है। वहीं ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, चंबा, सोलन और सिरमौर जिलों में येलो अलर्ट जारी रहेगा। 30 अप्रैल और एक मई को भी कई इलाकों में येलो अलर्ट रहेगा। इसके बाद 2 मई को कुछ राहत रहेगी, लेकिन 3 और 4 मई को फिर से आंधी और बारिश की संभावना के चलते येलो अलर्ट जारी किया गया है। इस तरह पूरे सप्ताह प्रदेश में मौसम सक्रिय रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार इस बदलाव के पीछे पश्चिमी विक्षोभ और उत्तर प्रदेश के ऊपर बने चक्रवाती

विधायक पियूष रंजन निषाद के काफिले को ट्रक ने मारी टक्कर, बाल-बाल बचे

प्रयागराज : उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित करछना विधानसभा सीट से विधायक पियूष रंजन निषाद के काफिले को सोमवार देर रात एक तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसा नैनी क्षेत्र में पुराने यमुना पुल के पास बढ़ा कट के समीप हुआ। हालांकि घटना में विधायक समेत कार में सवार सभी लोग सुरक्षित रहे और कोई जनहानि नहीं हुई। सहायक पुलिस आयुक्त करछना सुनील कुमार सिंह ने बताया कि विधायक पियूष रंजन निषाद नैनी से शहर की ओर जा रहे थे। जैसे ही उनका काफिला पुराने यमुना पुल के पास पहुंचा, तभी पीछे से आए तेज रफ्तार में आ रहे एक ट्रक ने काफिले के एक वाहन में टक्कर मार दी। टक्कर के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और सुरक्षा कर्मी तुरंत सक्रिय हो गए। हादसे के बाद विधायक अपने वाहन से नीचे उतर आए। उनके साथ मौजूद सुरक्षाकर्मी और अन्य लोग भी बाहर निकल आए। घटना के चलते कुछ देर के लिए यातायात प्रभावित रहा और आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए। टक्कर मारने के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची नैनी पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर थाने भेज दिया। पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर चालक की तलाश की और मंगलवार को पुलिस चालक तक पहुंच गई।

उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में सड़क हादसा, दूल्हे के भाई समेत चार की मौत, नहीं हो सकी दुल्हन की विदाई

एजेंसी

हमीरपुर : उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के कानपुर-सागर नेशनल हाइवे पर सोमवार रात हुए हादसे में चार बारातियों की मौत हो गई। मृतकों में सहबाला (दूल्हे का भाई) भी है। हादसे की खबर मिलते ही दोनों गांवों में मातम पसर गया। दुल्हन की विदाई नहीं हो सकी। यह हादसा एक तेज रफ्तार ट्रक की ईको वैन में सीधी टक्कर से हुआ। इसी वैन में दूल्हे का भाई और अन्य बाराती सवार थे। हादसे में तीन बराती भी घायल हुए है। । सूचना पाते ही डीएम अभिषेक गोयल व एसपी मृगांग शेखर पाठक मौके पर पहुंचे। ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार, हमीरपुर जिले के कुरारा थाना क्षेत्र के डामर गांव निवासी रमाकांत कुशवाहा की शादी महोबा जिले के कबरई थाना क्षेत्र के पहरा गांव निवासी संतराम कुशवाहा की पुत्री अंजू के साथ तय हुई थी। सोमवार रात बारात गांव से निकासी के बाद निजी वाहनों से कबरई जा रही थी। दूल्हे का भाई शशिकांत उर्फ आशीष (२२) अपने रिश्तेदारों के साथ गांव के कमलेश यादव की ईको वैन से बारात जा रहा था। इको वैन मौदहा कोतवाली क्षेत्र के छिरका गांव के पास पेट्रोलपंप के सामने पहुंची तो कबरई से कानपुर जा रहे गिट्टी से लदे ट्रक ने टक्कर मार दी। पुलिस ने बतय कि इससे वैन के परखच्चे उड़ गए। हादसे में दूल्हे के भाई शशिकांत, मोहन पुत्र रामसेवक, कमल यादव व रिठारी गांव निवासी जितेन्द्र की मौके पर मौत हो गई। वहीं उरदना गांव निवासी दिलीप कुमार पुत्र गणेश, तिन्दुही गांव निवासी रोहित पुत्र राधेश्याम व डामर गांव निवासी बाबू गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पाते ही मौदहा कोतवाली प्रभारी संतोष सिंह मौके पर पहुंचे। इस दौरान डीएम और एसपी भी पहुंच गए। पुलिस ने वैन में फंसे घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। हादसे में भाई और नाते-रिश्तेदारों की मौत की सूचना मिलते ही दूल्हा रो पड़ा और दुल्हान के गांव में मातम पसर गया । शादी की रस्में सादगी के साथ संपन्न कराई गईं। दुल्हन की विदाई नहीं कराई गई । डीएम अभिषेक गोयल ने बताया कि हादसे में चार लोगों की मौत हुई है वहीं तीन अन्य बाराती घायल हुए है। हादसे के बाद ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया गया है।

असम उच्चतर माध्यमिक अंतिम वर्ष का परिणाम घोषित, विज्ञान संकाय रहा अव्वल

एजेंसी

गुवाहाटी : असम उच्चतर माध्यमिक अंतिम वर्ष की परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया गया है, जिसमें विज्ञान संकाय ने सर्वाधिक उत्तीर्ण प्रतिशतता दर्ज की है। कला संकाय में कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 79.54 प्रतिशत रहा। इस संकाय में 2,41,124 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए थे, जिनमें से 1,91,798 परीक्षार्थी सफल घोषित हुए। इनमें 54,755 प्रथम श्रेणी, 79,181 द्वितीय श्रेणी और 57,862 तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। वाणिज्य संकाय का उत्तीर्ण प्रतिशत 81.13 प्रतिशत दर्ज किया गया। इस संकाय में 19,469 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी थी, जिनमें से 15,796 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए। इनमें 7,787 प्रथम श्रेणी, 5,694 द्वितीय श्रेणी और 2,315 तृतीय श्रेणी में पास हुए। विज्ञान संकाय ने सर्वाधिक 89.79 प्रतिशत उत्तीर्ण दर के साथ बेहतर प्रदर्शन किया। इस संकाय में 60,667 परीक्षार्थी शामिल हुए, जिनमें से 54,474 सफल रहे। इनमें 34,079 प्रथम श्रेणी, 17,777 द्वितीय श्रेणी और 2,618 तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। समग्र रूप से सभी संकायों का परिणाम संतोषजनक रहा, जिसमें विज्ञान संकाय ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

मध्य प्रदेश में बढ़ी गर्मी की तपिश, खजुराहो में 10 साल का रिकॉर्ड टूटा, पारा 46 डिग्री पहुंचा

भोपाल : मध्य प्रदेश इस समय भीषण गर्मी की मार झेल रहा है। खजुराहो में सोमवार को तापमान 46 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिसने पिछले 10 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। छतरपुर जिले का नौगांव प्रदेश का दूसरा सबसे गर्म स्थान दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने मंगलवार के लिए 4 जिलों में लू और 12 जिलों में आंधी-बारिश की चेतावनी जारी की है। तेज गर्मी के बीच मौसम में बदलाव के संकेत भी मिल रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार, 1 मई तक प्रदेश में गर्मी के साथ कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है। यह बदलाव साइक्लोनिक सकुर्लेशन और ट्रफ के सक्रिय होने के कारण होगा। साथ ही, 28 अप्रैल से लू के प्रभाव में कुछ कमी आने के आसार हैं। मंगलवार को छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला और बालाघाट जिलों में लू चलने की संभावना जताई गई है। वहीं, ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना और रीवा में गरज-चमक के साथ तेज हवाएं और बारिश हो सकती है। बीते सोमवार को प्रदेश के कई शहरों में तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। खजुराहो (46.0 डिग्री) और नौगांव (45.5 डिग्री) के अलावा श्योपुर और दतिया समेत 13 शहरों में पारा 44 डिग्री से ऊपर दर्ज हुआ।

ठाणे मेयर ने किया उपवन क्षेत्र का अकस्मात दौरा ,कहा-महिला सुरक्षा जरूरी

एजेंसी

मुंबई : ठाणे मेयर शर्मिला पिंपोलकर ने उपवन झील इलाके में अवैध व्यापार और हॉकर्स को परेशान करने के मामले में मनपा प्रशासन को एक्शन लेने के निर्देश दिए थे। यह देखने के लिए कि इन निदेर्शों पर अमल हो रहा है या नहीं, मेयर शर्मिला पिंपोलकर ने सोमवार रात उपवन इलाके का सरप्राइज इंस्पेक्शन किया। इस मौके पर उन्होंने टीएमसी प्रशासन द्वारा उपवन इलाके को हॉकर्स-फ्री बनाने पर खुशी जताई और संबंधित डिपार्टमेंट को रेगुलर एक्शन जारी रखने के निर्देश दिए।

इस मौके पर एडिशनल कमिश्नर (2) प्रशांत रोडे, असिस्टेंट कमिश्नर गणेश चौधरी और दूसरे अधिकारी मौजूद थे। बिना इजाजत के बढ़ते कारोबार को लेकर लोकल कॉर्पोरेटर परिषा सरनाइक और लोकल लोगों ने मेयर शर्मिला पिंपोलकर से मिलकर वहां फेरीवालों की शिकायत की थी। मेयर ने इस बारे

में तुरंत एक मीटिंग बुलाई और संबंधित असिस्टेंट कमिश्नरों को कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इन आदेशों का पालन हो, यह पक्का करने के लिए मेयर ने खुद सोमवार रात 9 बजे उपवन इलाके का इंस्पेक्शन किया। मेयर के निर्देश पर, एडमिनिस्ट्रेशन ने इलाके में बिना इजाजत के स्टॉल और फेरीवालों के खिलाफ कार्रवाई की है और उपवन इलाके को फेरीवाला-फ्री कर दिया है। मेयर ने संबंधित अधिकारियों को साफ निर्देश दिए कि यह अभियान लगातार जारी रहना चाहिए। अवलोकन के दौरान, मेयर ने इलाके की साफ-सफाई और सेफ्टी का जायजा लिया और उन्हें नागरिकों के हितों को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी कहा कि खासकर महिलाओं की सुरक्षा के मामले में कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उपवन इलाके में फुटपाथ का काम पब्लिक सेक्टर द्वारा किया जा रहा है और इसे तुरंत पूरा किया जाना चाहिए। मेयर शर्मिला पिम्पोलकर ने निर्देश दिया है कि मानसून से पहले उपवन इलाके में पेड़ों की बढ़ी हुई डालियों की छंटाई कर दी जाए।

सराफा बाजार में सोने की घटी चमक, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली : घरेलू सराफा बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान सोने की कीमत में कमजोरी का रुख बना हुआ है। हालांकि चांदी के भाव में आज शुरूआती कारोबार के दौरान कोई बदलाव नजर नहीं आ रहा है। सोना आज 300 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 330 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज हाजिर सोना 0.29 प्रतिशत गिर कर 4,669.61 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर आ गया है। इसी तरह चांदी भी आज अंतरराष्ट्रीय बाजार में 75.91 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर ट्रेड कर रही है।घरेलू सराफा बाजार में

हाजिर सोने की कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर हिस्सों में 24 कैरेट सोना 1,53,700 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,55,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,40,890 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सराफा बाजार में आज भी 2,59,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,53,850 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,040 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,53,700 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,53,750 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,40,940 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,55,250 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,42,310 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,53,700 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,53,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,40,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,53,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,41,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,53,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,40,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,53,850 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सराफा बाजार में भी आज सोने के भाव में कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,53,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सराफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,40,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज IN ब्रीफ

गंगा एक्सप्रेस वे का उद्घाटन 29 अप्रैल को, भाजपा कार्यकर्ता रायबरेली में लाइव देखेंगे प्रधानमंत्री का कार्यक्रम

रायबरेली : मेरठ से प्रयागराज के बीच 594 किमी लंबे गंगा एक्सप्रेस वे पर देश के विकास का रथ बुधवार से दौड़ने लगेगा। 29 अप्रैल को हरदोई में प्रधानमंत्री एक्सप्रेस वे का लोकार्पण करेंगें। रायबरेली में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखने के लिए एक कार्यक्रम आयोजन किया जाएगा। ऊंचाहार तहसील के रोझइया भीखमशाह के पास बने टोल प्लाजा पर यह कार्यक्रम होगा। यूपीडा के अधीक्षण अभियंता विजय कुमार के अनुसार गंगा एक्सप्रेस वे का निर्माण पूरा हो गया है। इसे चार ग्रुपों में बांटा गया है। चौथे ग्रुप में रायबरेली, प्रतापगढ़ और प्रयागराज है। इस बीच की दूरी करीब 156 किमी है। सड़क निर्माण, बैरिकेडिंग, साइन बोर्ड भी लग गए हैं। इसके बनने से जिले के लोगों को आने-जाने में काफी सहूलियत मिलेगी। 12 जिलों को जोड़ने वाले इस एक्सप्रेसवे से स्थानीय कृषि उत्पादों को बड़े बाजारों तक ले जाना काफी आसान हो जाएगा। इसके लिए 200 एकड़ में औद्योगिक कॉरिडोर बनाया जाएगा। ऐहार व जगतपुर में एक्जिट और इंट्रेंस पाइंट बनाया गया है।

वाराणसी: खेत में मिला महिला का शव

वाराणसी : उत्तर प्रदेश में वाराणसी जनपद के लोहता थाना क्षेत्र में हरपालपुर स्थित एक खेत में 35 वर्षीय महिला का रक्तरंजित शव मिला। सूचना पाकर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन की। लोहता थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक महिला के चेहरे और सिर पर पत्थर से चोट की गई है, इससे उसकी हत्या की आशंका है। छानबीन में पुलिस को शव के पास से आधार कार्ड मिला। आधार कार्ड से मृतक महिला की पहचान नर्गिस परवीन पत्नी मोहम्मद अजहर निवासी नईसड़क के रूप में हुई। पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस अफसरों के अनुसार, मामले की गंभीरता को देखते हुए हर पहलू पर जांच की जा रही है। फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया है। प्रारंभिक जांच में हत्या के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है। उधर, चर्चा है कि मृतक महिला नर्गिस परवीन ने दो बार निकाह किया था। वर्तमान में वह भेलूपुर के बजरडीहा क्षेत्र में रह रही थी।

निस्तारी पानी बना मुसीबत, फौजी कालोनी में जलभराव

धमतरी : गर्मी के मौसम में जहां एक-एक बूंद पानी की अहमियत बढ़ जाती है, वहीं सिंचाई विभाग द्वारा निस्तार के लिए छोड़ा गया पानी अब शहर और ग्रामीण इलाकों में परेशानी का कारण बनता जा रहा है। कलेक्ट्रेट के पास स्थित फौजी कालोनी में पिछले कई दिनों से जलभराव की स्थिति बनी हुई है, जिससे स्थानीय रहवासियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कालोनी के निवासियों नितेश साहू, लोमेश देवांगन, विजय साहू सहित अन्य लोगों ने आज मंगलवार को बताया कि निस्तारी के लिए छोड़ा गया पानी कॉलोनी के कई हिस्सों में भर गया है। इसके चलते आवाजाही बाधित हो गई है और खासकर दोपहिया वाहन चालकों के लिए फिसलकर गिरने का खतरा बना हुआ है। रहवासियों का कहना है कि उन्होंने कई बार संबंधित विभाग को इसकी सूचना दी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि नहर और नालियों की नियमित सफाई व मरम्मत की जाए, ताकि पानी सही दिशा में बह सके और इस तरह की स्थिति से बचा जा सके। उनका कहना है कि यदि व्यवस्था ठीक रहे तो पानी अपने गंतव्य तक पहुंचेगा और शहर में जलभराव जैसी समस्या नहीं होगी। यह समस्या नई नहीं है। हर साल जब रविशंकर जलाशय (गंगरेल बांध) से निस्तार के लिए पानी छोड़ा जाता है, तब इसी तरह की स्थिति निर्मित होती है। बावजूद इसके नहरों और नालियों की सफाई व मरम्मत पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जाता, जिसका खामियाजा आम नागरिकों को भुगतना पड़ता है। शहर ही नहीं, ग्रामीण क्षेत्रों में भी हालात गंभीर हैं। नगरी ब्लाक के कई खेतों में पिछले एक सप्ताह से पानी भरा हुआ है, जिससे किसानों की फसलें बर्बाद हो रही हैं। ग्राम गोरेगांव के किसान लेखराज साहू ने बताया कि उनके खेत में तैयार हो रही कद्दू और अन्य फसल पूरी तरह खराब हो गई है। इस नुकसान से उन्हें लाखों रुपये की क्षति हुई है। उन्होंने मुआवजे के लिए सिंचाई विभाग को पत्र भी भेजा है, लेकिन अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है। स्थानीय लोगों और किसानों का कहना है कि गर्मी में जहां पानी की कमी से लोग जूझते हैं, वहीं इस तरह पानी की बबार्दी बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि इस मामले को गंभीरता से लेते हुए निस्तारी पानी के प्रबंधन पर कड़े निर्णय लिए जाएं, ताकि भविष्य में ऐसी समस्या दोबारा न हो और लोगों को राहत मिल सके।

सुपौल में भीषण अग्निकांड: गैस सिलेंडर विस्फोट से तीन घर राख

सुपौल : नगर परिषद के वार्ड संख्या एक स्थित पुनर्वास क्षेत्र में सोमवार देर रात एक भीषण अग्निकांड से अफरा-तफरी मच गई। गैस सिलेंडर में विस्फोट के बाद लगी आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया और तीन घरों को पूरी तरह अपनी चपेट में ले लिया।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग इतनी तेजी से फैली कि सुनील पंडित और कपिल पंडित के घर पूरी तरह जलकर राख हो गए। सिलेंडर विस्फोट के बाद आग की लपटें दूर तक फैल गईं, जिससे आसपास के लोग दहशत में आ गए। घटना के दौरान विस्फोट इतना तेज था कि गैस सिलेंडर का एक टुकड़ा उछलकर पास में रहने वाले धर्मेंद्र के घर के पास जा गिरा। गनीमत रही कि उनके घर को कोई नुकसान नहीं पहुंचा, जिससे एक बड़ी दुर्घटना टल गई। स्थानीय लोगों ने दमकल विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि आग लगने के बाद भी दमकल की गाड़ी समय पर नहीं पहुंची। उनका कहना है कि यदि समय रहते दमकल पहुंच जाती, तो नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता था। बाद में दमकल टीम के पहुंचने पर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इस अग्निकांड में करीब 3 लाख रुपये से अधिक की संपत्ति के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन मौके पर पहुंचा और हालात का जायजा लिया। सदर अंचल अधिकारी (सीओ) ने बताया कि क्षति का आकलन किया जा रहा है और प्रभावित परिवारों को जल्द ही राहत सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

पुरानी कार बेचने के नाम पर ठगी, चार आरोपित गिरफ्तार

गुवाहाटी : गुवाहाटी के सोनापुर थाना क्षेत्र में पुरानी कार बेचने के नाम पर ठगी करने के एक मामले में पुलिस ने चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि आरोपितों ने एक व्यक्ति को सेकेंड-हैंड ब्रेजा कार बेचने का झांसा देकर लगभग पांच लाख रुपये की ठगी की। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सोनापुर थाना की ईजीपीडी टीम ने बीते सोमवार को अभियान चलाते हुए राहुल चौधरी (27), अमित बोडो (19), राजीबुल हक (22) और भाग्यश्री बोडो (28) को गिरफ्तार किया। सभी आरोपित सोनापुर क्षेत्र के निवासी बताए गए हैं। बताया गया है कि आरोपितों ने एएस-01जीजे-0706 नंबर की एक सेकेंड-हैंड ब्रेजा कार बेचने का लालच देकर पीड़ित से बड़ी रकम हासिल कर ली।

अवैध स्टोन चिप्स लदा हाइवा जब्त

हुसैनाबाद : हुसैनाबाद के अनुमंडल पदाधिकारी गौरांग महतो, अंचलाधिकारी पंकज कुमार एवं पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी चंदन कुमार ने बीती रात संयुक्त क्षेत्र भ्रमण के दौरान अवैध स्टोन चिप्स लदे एक हाइवा को पकड़ा।अधिकारियों ने जय प्रकाश चौक से जेएच03एबी4408 नंबर के हाइवा को रोककर थाना लाया। जांच के दौरान चालक से वाहन एवं खनिज परिवहन से संबंधित वैध कागजात की मांग की गई, लेकिन चालक कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद अनुमंडल पदाधिकारी के निर्देश पर वाहन को अग्रतर कार्रवाई के लिए भेज दिया गया। प्रशासन की इस कार्रवाई से अवैध खनन एवं परिवहन में लगे लोगों में हड़कंप मच गया है।

करोड़ों की राशि खर्च, फिर भी बूंद-बूंद को तरसे ग्रामीण

मेदिनीनगर : बैरांव पंचायत में पेयजल संकट गहराया, दर्जनों हैंडपंप और जलमीनार खराब; 43 डिग्री तापमान में पानी ढोने को मजबूर लोग सरकार द्वारा पंचायतों के विकास एवं पेयजल व्यवस्था के लिए करोड़ों रुपये जारी किए जाने के बावजूद हुसैनाबाद प्रखंड की बैरांव पंचायत में भीषण जलसंकट उत्पन्न हो गया है। पंचायत क्षेत्र के दर्जनों हैंडपंप एवं जलमीनार खराब पड़े हैं, जिससे ग्रामीणों को भीषण गर्मी में पेयजल के लिए भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने बताया कि लगभग 43 डिग्री तापमान के बीच उन्हें दूर-दराज के जलस्त्रोतों से पानी लाकर दैनिक जरूरतें पूरी करनी पड़ रही हैं। शादी-विवाह के मौसम में पानी की समस्या ने लोगों की परेशानी और बढ़ा दी है। ग्रामीणों का कहना है कि घर में मेहमानों के आगमन के बीच पानी की व्यवस्था करना सबसे बड़ी चुनौती बन गई है।ग्रामीणों का आरोप है कि समस्या को लेकर कई बार पंचायत प्रतिनिधियों एवं संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया गया, लेकिन अब तक न तो खराब हैंडपंपों की मरम्मत कराई गई और न ही बंद पड़ी जलमीनारों को चालू कराया गया। जिम्मेदारों की उदासीनता से ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

उल्लेखनीय है कि 15वें वित्त आयोग के तहत पंचायतों के विकास के लिए भारी राशि उपलब्ध कराई गई है। इसके बावजूद जमीनी स्तर पर मूलभूत सुविधाओं की ऐसी स्थिति कई सवाल खड़े कर रही है।इस संबंध में भाजपा नेता रामराज मेहता ने जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि लापरवाही और उदासीनता के कारण अधिकांश पंचायतों में पेयजल व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। उन्होंने इसे अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए अविलंब खराब पड़े हैंडपंपों एवं जलमीनारों की मरम्मत कराने की मांग की है।ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र पेयजल संकट का समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

ससुराल में फंदे से झूलता मिला विवाहिता का शव

मेदिनीनगर : जिले के लेस्लीगंज थाना क्षेत्र स्थित लोहरा गांव में 29 वर्षीय विवाहिता ने कथित रूप से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान आलोक रंजन की पत्नी चिंता देवी के रूप में हुई है।

परिजनों के अनुसार, सोमवार शाम जब पति घर लौटा तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा खुलवाया, जहां महिला का शव फंदे से लटका मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया।घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। पुलिस मामले की जांच कर आत्महत्या के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

रेल कर्मी का हुआ पोस्टमार्टम, सिर से निकली गोली

जमशेदपुर :बागबेड़ा थाना अंतर्गत लॉबी गेट के पास रविवार देर रात रेल कर्मी जीके गौतम की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इधर, मंगलवार को गौतम के शव का पोस्टमार्टम किया गया। पोस्टमार्टम के दौरान गौतम के सिर के अंदर फंसी गोली को भी निकाला गया। पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया गया। बता दे कि रविवार देर रात लोको पायलट जीके गौतम की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने इस मामले में अब तक कुल 10 लोगों को हिरासत में लिया है।

चार साल बाद फिर पटरी पर लौटी नगर वन परियोजना

धनबाद : तेलीपाड़ा के दामोदरपुर में लंबे समय से रुकी शहर की महत्वाकांक्षी नगर वन परियोजना एक बार फिर शुरू हो गई है। करीब चार वर्षों तक फंड की कमी से ठप पड़ी इस योजना को केंद्र सरकार से बजट मिलने के बाद नया जीवन मिला है। अब वन एवं पर्यावरण विभाग ने तेजी से काम आगे बढ़ाना शुरू कर दिया है, जिससे शहर को जल्द ही एक बड़ा हरित क्षेत्र मिलने की उम्मीद है। अधिकारियों के अनुसार, 30 एकड़ में विकसित किए जा रहे इस नगर वन में फिलहाल जमीन की सफाई का कार्य जारी है। इसके बाद पाथवे और पेवर ब्लॉक लगाने का काम किया जाएगा, जिसके लिए नगर निगम से सहयोग लिया जा रहा है। योजना के तहत इस बरसात में बड़े पैमाने पर पौधारोपण किया जाएगा। लगभग आठ हजार फलदार, औषधीय और स्थानीय प्रजातियों के पौधे लगाए जाएंगे। इसके लिए विभागीय नर्सरी में तैयारियां शुरू हो चुकी हैं।डीएफओ विकास पालीवाल ने दावा किया है कि यदि कार्य इसी गति से चलता रहा तो साल के अंत तक नगर वन पूरी तरह तैयार हो जाएगा। इससे पहले 2022 में परियोजना की शुरूआत के दौरान भूमि की घेराबंदी और लोगों के बैठने के लिए आधारभूत सुविधाएं विकसित कर ली गई थीं, लेकिन बाद में आर्थिक संकट के चलते काम ठप पड़ गया था।नगर वन को केवल हरियाली तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि इसे एक आधुनिक इको-फ्रेंडली स्पेस के रूप में विकसित किया जाएगा। यहां जॉगिंग ट्रैक, साइकिलिंग ट्रैक, ओपन जिम, थीम आधारित गार्डन जैसे स्मृति वन और नक्षत्र वन बनाए जाएंगे। साथ ही रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, पेयजल व्यवस्था, बेंच और फुटपाथ जैसी सुविधाएं भी दी जाएंगी। इस परियोजना के पूरा होने से न केवल शहर के लोगों को प्रकृति के करीब आने का मौका मिलेगा, बल्कि जैव-विविधता संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, बढ़ते प्रदूषण पर नियंत्रण पाने में यह नगर वन अहम भूमिका निभा सकता है, जिससे शहर का पर्यावरण संतुलन बेहतर होने की उम्मीद है।

गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा समाज की प्रगति का आधार : सीएमडी

धनबाद : गुणवत्तापूर्ण शिक्षा किसी भी समाज की प्रगति का आधार है। इसमें शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह बात बीसीसीएल सीएमडी ने सोमवार को कम्युनिटी हॉल, कोयला नगर में बीसीसीएल सीएसआर परियोजना के तहत मोंटेसरी टीचर्स ट्रेनिंग कार्यक्रम में कही। सीएमडी बोले कि प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों की क्षमता को बेहतर करते हैं और विद्यार्थियों के समग्र विकास में सहायक सिद्ध होते हैं। बीसीसीएल अपनी सीएसआर पहलों के माध्यम से शिक्षा, कौशल विकास एवं सामुदायिक उत्थान के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने प्रशिक्षित शिक्षकों से अपेक्षा की कि वे इस प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान एवं कौशल का उपयोग कर विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में सक्रिय योगदान देंगे। बीसीसीएल के सहयोग से महिला विकास शिक्षण प्रशिक्षण समिति धनबाद की ओर से कम्युनिटी हॉल कोयला नगर में सोमवार को कंपनी की सीएसआर परियोजना के अंतर्गत धनबाद के तीन स्कूलों-सरस्वती विद्या मंदिर, भूली, सरस्वती विद्या मंदिर, श्यामडीह कतरास तथा सरस्वती विद्या मंदिर, तेतुलमारी में संचालित छह माह के मोंटेसरी टीचर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इन विद्यालयों में कार्यरत 50 शिक्षकों को प्रमाण-पत्र एवं मार्कशीट प्रदान किए गए। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सीएमडी बीसीसीएल मनोज कुमार अग्रवाल ने अपनी सहभागिता की।समिति की सचिव डॉ. अरविंदर कौर ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा, उद्देश्य एवं महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह पहल शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल को उन्नत करने तथा आधुनिक शिक्षण पद्धतियों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम के दौरान सीएमडी बीसीसीएल सहित सभी उपस्थित विद्यालयों के प्राचार्यों को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बीबीएमकेयू के डॉ. उपेंद्र कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

रिकॉर्ड दुरुस्त करें, लंबित मामलों का करें त्वरित निष्पादन : आयुक्त

प्रमंडलीय आयुक्त ने गढ़वा के एलआरडीसी कार्यालय का किया निरीक्षण

संवाददाता

मेदिनीनगर : प्रमंडलीय आयुक्त श्रीमती कुमुद सहाय आज भूमि सुधार उप समाहर्ता (एलआरडीसी) कार्यालय, गढ़वा का औचक निरीक्षण कर राजस्व एवं प्रशासनिक कार्यों की गहन समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय में संधारित विभिन्न पंजियों, अभिलेखों एवं लंबित मामलों की स्थिति का जायजा लिया तथा कई पंजियां अद्यतन नहीं पाए जाने पर नाराजगी जतायीं। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को सभी पंजियों को समयबद्ध तरीके से अद्यतन करने का निर्देश दिया। आयुक्त ने सहायक एवं एलडीसी के सेवा पुस्त की जांच की। साथ ही सूचना का अधिकार पंजी, आगत-निर्गत पंजी सहित अन्य आवश्यक अभिलेखों का अवलोकन कर उनकी अद्यतन स्थिति की जानकारी लीं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कार्यालयी अभिलेखों का संधारण व्यवस्थित, पारदर्शी एवं अद्यतन रहना चाहिए, ताकि आमजनों को समय पर सेवाएं उपलब्ध हो सके।

प्रमंडलीय आयुक्त ने लंबित अपीलीय मामलों की समीक्षा करते हुए ई-रेवेन्यू कोर्ट के मामलों, दाखिल-खारिज के लंबित अपीलीय मामलों सहित अन्य राजस्व मामलों के शीघ्र निष्पादन का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जनता से जुड़े मामलों में अनावश्यक विलंब किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगा।

उन्होंने अंचल कार्यालय एवं हल्का स्तर के कार्यों की भी जानकारी ली। राजस्व वसूली की प्रगति की समीक्षा करते हुए पिछले वित्तीय वर्ष में लक्ष्य के अनुरूप हुई वसूली की जानकारी ली तथा चालू वित्तीय वर्ष में निर्धारित लक्ष्य को समय पर प्राप्त करने हेतु तत्परता से कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने राजस्व वसूली में तेजी लाने पर विशेष जोर दिया।

आयुक्त ने रेंट फिक्सेशन, दखल-दिहानी, सर्टिफिकेट केस, कैंप कोर्ट एवं भूदान भूमि की वर्तमान स्थिति की भी विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने इन मामलों में लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने तथा जमीनी स्तर पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

प्रमंडलीय आयुक्त ने राजस्व से जुड़े सभी कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही के साथ कार्य करने को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी पदाधिकारियों को जनहित के मामलों में संवेदनशीलता के साथ कार्य करने तथा अभिलेखों को सुव्यवस्थित रखने का निर्देश दिया।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त के सचिव बिजय वर्मा, गढ़वा के उप विकास आयुक्त पशुपतिनाथ मिश्रा भी उपस्थित रहे। मौके पर गढ़वा के भूमि सुधार उपसमाहर्ता रविश राज सिंह उपस्थित थे.

दुमका चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

संवाददाता

दुमका : दुमका चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज के नवगठित कार्यकारिणी सत्र 2026झ्र28 का शपथ ग्रहण समारोह स्थानीय श्री अग्रसेन भवन के प्रशाल में भव्य एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर अध्यक्ष मुस्ताक अली (खोखन दा), सचिव डॉ. मनोज कुमार घोष, कोषाध्यक्ष मनोज कुमार अग्रवाल गोयल सहित उपाध्यक्षगण– अजित दरुका, पवन कुमार भालोटिया एवं सुनील कोठारीवाल ने शपथ ग्रहण किया। इसके अतिरिक्त संयुक्त सचिव कन्हाई मुकीम एवं राजेश कुमार राउत, सह-कोषाध्यक्ष चंदन भुवानियां,मीडिया प्रभारी कैलाश केशरी तथा 15 कार्यकारिणी सदस्यों– अजय मोहना, गोपाल मेहरिया, विष्णु झुनझुनवाला, मनोज अग्रवाल, दिलीप भुवानिया, देवशीष, राजीव हेतमपुरिया, आनंद केशरी, अमित जोशी, सुदीप अग्रवाल, लोकेश दरुका, कृष मुरारी मार्वडिया एवं मो. अकरम सहित अन्य सदस्यों ने भी शपथ ली।

शपथ ग्रहण के उपरांत फेडरेशन के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष संजय अग्रवाल एवं कुण्डहित चेम्बर के अध्यक्ष आनंद दास ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को प्रतीक-चिह्न एवं पट्टा प्रदान कर सम्मानित किया तथा समारोह को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने संथाल परगना क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए कहा कि अनेक जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति के बावजूद क्षेत्र में अपेक्षित विकास का अभाव दृष्टिगोचर होता है। उन्होंने इस दिशा में संबंधित मंत्रियों से मिलकर उद्योगों के समुचित संचालन एवं क्षेत्रीय विकास हेतु ठोस पहल की आवश्यकता पर बल दिया।

इसके अतिरिक्त नवनिर्वाचित संरक्षक सियाराम घिडिया, अध्यक्ष मुस्ताक अली एवं सचिव डॉ. मनोज कुमार घोष ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए संगठन की एकजुटता और व्यापारिक सशक्तिकरण पर जोर दिया।

कार्यक्रम में मारवाड़ी युवा मंच, प्रेरणा शाखा, मारवाड़ी सम्मेलन, भारत विकास परिषद, लायंस क्लब सहित विभिन्न सामाजिक एवं व्यावसायिक संगठनों के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। साथ ही समाजसेवी नीलम मोर, सतीश जायसवाल, जितेंद्र साह सहित अनेक व्यवसायियों ने समारोह में उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। अंत में, सभी सदस्यों ने विश्वास व्यक्त किया कि यह शपथ ग्रहण समारोह संगठन की नई ऊर्जा, प्रतिबद्धता एवं व्यापारिक उन्नति के संकल्प का प्रतीक बनेगा।

डीजे वाहन बना मौत का पहिया 10 साल के मासूम की दर्दनाक मौत

बगरीडीह में बेकाबू डीजे ने मचाया कहर, एक की मौत, दो गंभीर प्रशासन पर उठे सवाल

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा : झारखंड हाई कोर्ट के सख्त प्रतिबंध के बावजूद जिले में डीजे का शोर थमने का नाम नहीं ले रहा है, और अब यह लापरवाही जानलेवा साबित हो रही है। डोमचांच थाना क्षेत्र के बगरीडीह गांव में बीती रात एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। फुल बेस पर बजते डीजे वाहन ने सड़क किनारे बैठे तीन लोगों को रौंद दिया, जिसमें 10 वर्षीय मासूम राज पंडित की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक किशोर और एक वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक की पहचान राज पंडित (पिता- राजेश पंडित) के रूप में हुई है, जो कक्षा आठवीं का छात्र था। घायल विकास पंडित (10 वर्ष) और 75 वर्षीय सोबरन पंडित को गंभीर हालत में प्राथमिक उपचार के बाद रांची के रिम्स रेफर किया गया है। घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि गांव में घृतधारी समारोह के बाद डीजे वाहन चोपनाडीह लौट रहा था। इसी दौरान वाहन अनियंत्रित होकर घर के बाहर बैठे तीनों को कुचल दिया। हादसा इतना भयावह था कि डीजे वाहन का चक्का राज के ऊपर से गुजर गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने राज को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद गांव में मातम पसरा है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। राज के पिता मुंबई में ऑटो चलाते हैं और वह परिवार का सबसे छोटा बेटा था। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और हादसे में शामिल डीजे वाहन को जब्त कर लिया है। इस घटना ने एक बार फिर प्रशासनिक लापरवाही और प्रतिबंध के बावजूद डीजे संचालन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

कांग्रेस के प्रदेश सचिव ने चैनपुर प्रखंड के गांवों को किया दौरा

संवाददाता

मेदिनीनगरः कांग्रेस के प्रदेश सचिव लक्ष्मीकांत तिवारी ने चलो गांव की ओर कार्य क्रम में आज चैनपुर प्रखंड के कंकारी, रजहारा, अदनिया, बसरिया चान्दो , दोकरा, सोकरा, का भ्रमण कर ग्रामीणों से संपर्क किया ग्रामीणों ने बताया की पेयजल की समस्या उत्पन्न होने की स्थिति है सबसे अजीबोगरीब स्थिति यह देखने को मिली कि ग्राम बसरिया कला में उप स्वास्थ्य केंद्र जो आयुष्मान भवन के नाम से जाना जाता है वहाँ मुख्य सड़क से उप केंद्र तक जाने का मार्ग नहीं है और न विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था है । मुख्य सड़क से उप स्वास्थ्य केंद्र तक जाने में लगभग दो सौ फीट मे ह्यूम पाइप देकर निर्माण कराया जायगा तब उक्त समस्या का समाधान होगा । हमने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि इस समस्या को हम उपायुक्त महोदय के समक्ष उठाएँगे और शीघ्र ही समस्या का समाधान होगा । उप केंद्र तक विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था भी नहीं है । भ्रमण के दौरान सैकड़ों से मुलाकात हुई जिसमें प्रमुख रूप से बसरिया के मुखिया नितिश कुमार सिंह , शिव कुमार यादवजी, अशोक साह, अभय कुमार चौबे,गोरख चौबे, सुरेश चौबे, संजीत उपाध्याय, नरेश उपाध्याय, उमेश सिंह, सुदामा सोनी, महाबीर यादवजी, महेन्द्र साह , ईसराफिल अंसारी, सत्येंद्र चौबे , बिजय साह , सिताराम सिंह सहित बड़ी संख्या मे ग्रामीण मौजूद थे स्थानीय समस्याओं को संकलित कर शीघ्र ही उपायुक्त से संपर्क कर समाधान का आग्रह करेंगे । मेरे साथ कांग्रेस पार्टी के नेता और पूर्व जिला उपाध्यक्ष अमरेश कुमार पाण्डे थे।

चंद्रवंशी भवन में पृथ्वी दिवस समारोह मना

मेदिनीनगर : कार्यक्रम माँ शारदे इंटर महाविद्यालय के बैनर तले मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ललन कुमार सिंह ने दीप प्रजावलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर समारोह स्थल पर शम्भू राम, पंकज कुमार, बेनीमाधव सिंह,शत्रुघ्न जी, वरुण कुमार सिंह, श्वेता कुमारी उपस्थित थीं। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा की पृथ्वी को सुरक्षित रखने के लिए पर्यावरण की रक्षा हमारी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। इकोलॉजीकल बैलेंस के आभाव मे न पृथ्वी सुरक्षित रहेगी और न मानवता ' कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुऐ इंजीनियर बरुन कुमार सिंह ने कहाकि पर्यावरण की रक्षा का मूल मंत्र प्रकृति से छेड़ छाड़ पर अंकुश लगाने पर बल दिया ' कार्यक्रम के प्रारम्भ मे स्थानीय स्कूली छात्राओं ने स्वागत गान प्रस्तुत कर आँगनतुकों का मन मोह लिया ' कार्यक्रम के अंत मे पृथ्वी को सुरक्षित रखने के संकल्प के साथ कार्यक्रम सपन्न हुआ।

पेयजल से जुड़े समस्याओं का 24घंटे में होगा समाधान

देवघर : जिले में बढ़ते तापमान व हीट वेव को देखते हुए उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी शशि प्रकाश सिंह के निदेशानुसार देवघर नगर निगम क्षेत्र हेतु सदस्यों के नाम और नंबर जारी किया गया है, ताकि आमजनों के समस्याओं का 24 घँटे में त्वरित समाधान किया जा सके। इसके लेकर रंजीत सिंह सहायक नगर आयुक्त 7909025973, हिमांशु शेखर नगर मिशन प्रबंधक 9939874989, पारस कुमार सहायक अभियंता 7562012239, सूरज उरांव सहायक अभियंता 9572322252, सुमन वर्मा कनीय अभियंता 9934970904, किशुन दास कनीय अभियंता 6204564192, नरेश कुमार पेयजल सहायक 7870109763।

इसके अलावा वार्डवार चापानल मिस्त्री का नंबर जारी किया गया है।
वार्ड संख्या 01 से 09 अजीत मंडल 8271517357,
वार्ड 10 से 18 हेतु राम ठाकुर 8409506215,
वार्ड 19 से 27 के लिए विरेंद्र मांझी 91133433820
वार्ड 28 से 36 के लिए रोहित राज मंडल 9693100671 हैं।
देवघर नगर निगम कंट्रोल रूम हेतु 9508112201, कुंदन वर्मा 8340118050 व सूरज राउत 9939335306 के अलावा कंट्रोल रूम, जसीडीह हेतु सतन रमानी 7033405875 नामित किये गये हैं।

कहीं-कहीं हल्की बारिश से मिली गर्मी से राहत

जमशेदपुर : कई दिनों से लगातार पड़ रही गर्मी के बाद मंगलवार को मौसम अचानक बदलने से लोगों को थोड़ी राहत मिली। सुबह बादल छाने के बाद कुछ जगहों पर हल्की बारिश हुई तो कहीं हल्की धूप के साथ भी बूंदा-बांदी होती रही। हवा चलने से भी लोगों ने राहत महसूस की। झारखंड के कई जिलों में पिछले दो दिनों से ऐसा मौसम चल रहा है। जिसके बाद पूर्वी सिंहभूम सहित कोल्हान के जिलों में इस तरह के मौसम से गर्मी से थोड़ी निजात मिली थी। इस तरह की राहत मंगलवार से कोल्हान क्षेत्र में भी मिलने लगी है।

चक्रधरपुर को लेट डिविजन की संज्ञा पर रेलवे मेंस कांग्रेस ने जताई नाराजगी

जमशेदपुर : ट्रेनों की लेटलतीफी के कारण चक्रधरपुर को सोशल मीडिया पर लेट डिविजन की संज्ञा देने पर रेलवे मेंस कांग्रेस ने नाराजगी जताया है। दक्षिण पूर्व जोन रेलवे मेंस कांग्रेस के मेंस कांग्रेस के महासचिव एवं एनएफआईआर के सहायक महामंत्री एसआर मिश्रा ने बताया कि, यात्रियों को सुरक्षित एवं सुगम यात्रा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मंडल में रेलवे ट्रैक को हाई स्पीड कॉरिडोर में परिवर्तित करने, ओवरहेड ट्रैक्शन में आवश्यक संशोधन तथा उन्नत सिग्नलिंग तकनीक को लागू करने के लिए ब्लॉक लिया जा रहा है। इससे वर्तमान में ट्रेनों के संचालन पर समय का प्रभाव पड़ रहा है लेकिन आने वाले चंद महीनों बाद चक्रधरपुर मंडल में सुरक्षित और समयबद्ध ट्रेन परिचालन का एक नया रिकार्ड बनेगा।

हंटरगंज थाना पुलिस के प्रयास से डुमरी से लापता वृद्ध 4 माह बाद सकुशल बरामद, परिजनों ने पुलिस का जताया अभार

चतरा : जिले के हंटरगंज थाना पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए डुमरी गांव से लापता वृद्ध को चार माह के अंदर सकुशल बरामद कर लिया है। वृद्ध के मिलने से परिजनों में भावुक और हर्ष का माहौल है। परिजनों ने पुलिस का आभार व्यक्त किया है। पुलिस के अनुसार 5 जनवरी 2026 को वादिनी रेखा देवी के द्वारा हंटरगंज थाना में पति विपत भुईयां 70 वर्षीय डुमरी निवासी की अचानक लापता होने की लिखित शिकायत की थी। जिसके बाद पुलिस ने इस संदर्भ में हंटरगंज थाना सनहा संख्या 34/26 दिनांक 05/01/26 अंकित कर बरामद करने हेतु सोशल मिडिया के माध्यम प्रचार प्रसार एवं रेलवे स्टेशन तथा अन्य जगहों पर पोस्टर चिपकाया था तथा सीमावर्ती थाना को भी सूचित किया था। पुलिस की तत्परता और व्यापक प्रचार - प्रसार के बाद रविवार को पटना पुलिस के प्राप्त सूचना के आधार पर उक्त गुमशुदा व्यक्ति को सही सलामत एवं स्वस्थ हालत में बरामद किया गया।पुलिस के अथक प्रयासों के बाद बुजुर्ग के परिजनों को जैसे पता चला कि वृद्ध थाना सकुशल बरामद होकर हंटरगंज थाना पहुंच चुके हैं परिजन आनन-फानन में हंटरगंज थाना पहुंचे।